RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः227, सोमवार, 25 अगस्त 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

गुरु सम्मान समारोह का किया गया आयोजन 03

चुनाव आयुक्त और भाजपा के बीच सांठगांठः राहुल 04

निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी की टिप्पणियों पर दी सफाई 07

भारत के बाद यूरोपीय देशों ने भी रोकी अमेरिका की डाकसेवा

ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और इटली शामिल,ट्रम्प का टैरिफ बना वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बाद कई यूरोपीय देशों ने भी अमेरिका के लिए डाक सेवाएं सस्पेंड कर दी हैं। इनमें भारत, इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया समेत कई देश शामिल हैं। सर्विस सस्पेंड होने की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए टैरिफ नियम हैं। दरअसल, ट्रम्प प्रशासन ने इसी साल 30 जुलाई को आदेश जारी किया था, जिसमें 800 डॉलर (70 हजार रुपए) तक के सामान पर मिलने वाली टैरिफ छूट को खत्म कर दिया गया है। यह छूट 29 अगस्त से खत्म हो जाएगी। यूरोपियन डाक संगठन पोस्ट यूरोप और दूसरे डाक विभागों के मुताबिक नए नियमों पर अब तक साफ जानकारी नहीं दी गई है। इसलिए फिलहाल डाक से सामान भेजने की सेवाएं रोकी जा रही हैं। भारत के संचार मंत्रालय के मुताबिक अमेरिका की टैरिफ लागू करने और वसूलने की प्रक्रिया साफ नहीं है। इसलिए भारत में अमेरिका के लिए डाक सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित रहेगी। भारतीय डाक विभाग 25 अगस्त से अमेरिका के लिए ज्यादातर डाक सामानों की बुकिंग सस्पेंड कर देगा। फिलहाल ये फैसला अस्थायी रूप से लागू होगा। 23 अगस्त को डाक विभाग ने एक प्रेस नोट जारी करके इसकी जानकारी दी थी। वहीं जर्मनी की डॉयचे पोस्ट ने कहा कि है निजी और व्यवसायी ग्राहकों के लिए पार्सल भेजने पर अस्थायी रोक लगाई गई है। इटली के पोस्ट ने 23 अगस्त से इस सेवा पर रोक लगा दी है। हालांकि यहां से सामान्य पत्र भेजे जा सकते हैं। दूसरी तरफ ब्रिटेन की रॉयल मेल सर्विस ने अमेरिका भेजे जाने वाले सभी पैकेज रोक दिए हैं। इसके अलावा 100 डॉलर से अधिक कीमत के सामान पर 10 फीसदी शुल्क भी लगेगा। फ्रांस और नीदरलैंड ने भी टैरिफ वसूली की व्यवस्था साफ नहीं होने के चलते इसे रोक दिया है।

योगी ने म्यान से तलवार निकालकर खिंचवाई फोटो

गोरखपुर में बोले-जब सनातन पर संकट आया,सिखों ने बलिदान दिया

गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के पैडलेगंज में गुरुद्वारा पहुंचे। यहां सिख संतों ने योगी को भगवा पगड़ी पहनाई। तलवार भेंट की। म्यान से तलवार निकालकर योगी ने सिख संतों के साथ फोटो क्लिक कराई। योगी ने गुरुद्वारे के सुंदरीकरण (रेनोवेशन) कामों का लोकार्पण किया। कहा- मैं बहुत पहले यहां पैडलेगंज गुरुद्वारे में आया था। मुझे यहां सुविधाओं का अभाव लगा। कई बार मैंने कहा भी कि यहां कुछ काम होना चाहिए। आज मैं यहां आया तो देखा कि बहुत काम हुए हैं। अब यहां पर भी गुरुवाणी के पाठ हो पाएंगे। पर्व से जुड़े कार्यक्रम हो पाएंगे। महानगर के साथ पूर्वी यूपी का हर सिख आकर कार्यक्रम में भागीदार हो पाएगा। योगी ने कहा- जब भी सनातन पर कोई संकट आया है, सिख गुरुओं ने आगे आकर अपना सब कुछ बलिदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने दिखाई ताकत

दक्षिण कोरिया और अमेरिका के सैन्य अभ्यास के बीच दागी 2 नई मिसाइल

प्योंगयांग (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के वार्षिक सैन्य अभ्यास के बीच, उत्तर कोरिया ने देश की सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए हवाई हमलों को रोकने में सक्षम दो नयी मिसाइल का परीक्षण किया। देश के नेता किम जोंग उन इस परीक्षण के दौरान मौजूद रहे। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने अपनी खबर में बताया कि शनिवार को किए गए परीक्षण ने

दर्शाया कि ये मिसाइल ड्रोन और क्रूज़ मिसाइल के हमलों से निपटने में सक्षम हैं। खबर में कहा गया कि किम जोंग उन ने अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले एक प्रमुख राजनीतिक सम्मेलन से पहले रक्षा वैज्ञानिकों को कुछ ''महत्वपूर्ण'' कार्य भी सौंपे हैं। खबर में हालांकि यह जानकारी नहीं दी गई कि ये मिसाइल किस प्रकार की थीं या ये परीक्षण कहां किया गया। यह परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्यूंग शिखर सम्मेलन के लिए टोक्यो की यात्रा पर हैं। इस बैठक में उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ द्विपक्षीय सहयोग का संकल्प लिया।

घरों में घुसा चंबल का पानी, बुलाई गई सेना

- राजस्थान के कोटा,बूंदी,सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़
- जम्मू के आईआईईएम कैंपस में भरा पानी,150 छात्र फंसे

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में लगातार बारिश होने से कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ जैसी स्थिति है। बूंदी में चंबल का पानी घरों में घुस गया। स्टेट हाईवे की सड़क उखड़ गई। राहत-बचाव के लिए सेना बुलाई गई है। एयरफोर्स का एमआई-17 हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया है। जम्मू-कश्मीर में तेज बारिश के चलते इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन कैंपस परिसर में पानी भर गया। हॉस्टल की बिल्डिंग एक मंजिल तक डूब गई। 150 स्टूडेंट बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में फंसे हैं। एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। यूपी में भी बारिश से डैम, नदियां और नाले उफान पर हैं। अब तक 8 बांधों के गेट खोले जा चुके हैं। मिर्जापुर में अहरौरा बांध ओवरफ्लो हो गया है। इसके चलते 9 साल बाद 22 गेट खोलने पड़े। प्रदेश में 20 से ज्यादा गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। कई खेत पानी में डूब गए। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को देश के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बारिश का अलर्ट है।

गुजरात में सीरियाई नागरिक गिरफ्तार,शरीर पर गोलियों के निशान

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले क्राइम ब्रांच ने शनिवार को एलिसब्रिज रीगल होटल से एक सीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान 23 साल के अली मेघात अल-अजहर के रूप में की गई है। क्राइम ब्रांच के जाइंट पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल ने

बताया कि अली के पास से 3600 अमेरिकी डॉलर और 25 हजार भारतीय कैश मिला है। उसके शरीर पर गोलियों सहित चोट के कई निशान पाए गए हैं। उसके मोबाइल में गाजा में भुखमरी और वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचार के वीडियो भी मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, अली अपने 3 साथियों के साथ गाजा पीड़ितों के नाम पर मस्जिदों और दूसरे जगहों से फंड जुटाता था। फिर उन पैसों से लग्जरी लाइफस्टाइल जीते थे। अन्य 3 सीरियाई नागरिक फरार हैं।

वोट चोरी से बनी डबल इंजन सरकार, युवाओं और शिक्षा की हो रहीं अनदेखीः संजय यादव

बीएनएम@पटना।

राजद सांसद संजय यादव ने वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि बिहार की जनता ने हलफनामा देकर बता दिया है कि मोदी वोट चोरी से प्रधानमंत्री बने हैं और इसी वोट चोरी से डबल इंजन की सरकार बनी हुई है। सांसद यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री खुद मान चुके हैं कि बिहार में घुसपैठिये आ गए हैं। "आप 11 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं और लगभग 20 साल से बिहार में भी आपकी सरकार है। अगर इसके बावजूद घुसपैठिये आ गए तो इसका मतलब आप कमजोर और नाकाबिल प्रधानमंत्री हैं।" उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार बिहार की असली समस्याओं से ध्यान भटकाकर केवल नफरत की राजनीति करती है। "बिहार की 58% आबादी युवा है, लेकिन आज भी 398 प्रखंडों में डिग्री कॉलेज नहीं है। पिछले दस साल में बिहार को न एक केंद्रीय विद्यालय मिला, न ही एक नवोदय विद्यालय।" यादव ने कहा कि 2014, 2019 और 2024— तीनों लोकसभा चुनावों में बिहार ने भाजपा को भारी समर्थन दिया, फिर भी केंद्रीय योजनाओं में राज्य की उपेक्षा की गई। राजद सांसद ने पीएम मोदी पर एसआईआर प्रक्रिया में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गरीबों से जाति और आवासीय प्रमाणपत्र बनाने में घूस ली जा रही है, जबकि "कुत्ता, बिलार, चैम्पेजी और यहां तक कि डोनाल्ड ट्रम्प का भी आवासीय प्रमाण पत्र बन रहा है।" यादव ने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट खुद दिखाती है कि बिहार स्वास्थ्य, शिक्षा और विकास के हर पैमाने पर पीछे है। "यहां सबसे ज्यादा महिलाएं खून की कमी से पीड़ित हैं, सबसे कम डॉक्टर हैं और सबसे ज्यादा बच्चे बीमार हैं। मोदी जी ने बिहार को रसातल में पहुंचा दिया है।

एकजुट होकर कर रहे हैं काम, नतीजे सार्थक होंगे

राहुल गांधी बोले-बिहार में नहीं होने देंगे वोट चोरी

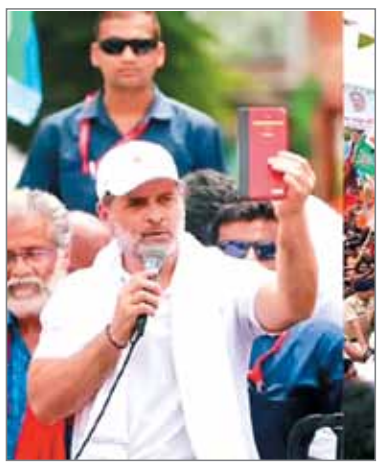

अररिया (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के सभी घटक आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं और परिणाम फलदायी होंगे। अररिया में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के साथ रविवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि इस वर्ष के अंत में होने वाले चुनावों के लिए 'इंडिया' जल्द ही एक साझा घोषणापत्र जारी करेगा। विपक्षी गठबंधन के सभी घटक वैचारिक और राजनीतिक रूप से एकजुट होकर काम कर रहे हैं और परिणाम फलदायी होंगे। केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तीखा हमला करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पूर्वी राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भाजपा की मदद के लिए वोट चुराने का निर्वाचन आयोग का संस्थागत प्रयास है। उन्होंने कहा कि,हम निर्वाचन आयोग को बिहार में वोट चुराने की इजाजत नहीं देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि वे किसी हाल में बिहार में वोटों की चोरी नहीं होने देंगे। उन्होंने आरोप

लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा की पार्टनर बन चुका है। कांग्रेस के नेता ने कहा कि इस यात्रा की सफलता यह साबित करती है कि बिहार के करोड़ों लोग वोट चोरी की बात को सच मान रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि इस यात्रा में लोग खुद जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का काम सही वोटर लिस्ट देने का होता है, लेकिन हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक में उन्होंने ऐसा नहीं किया। चुनाव आयोग का व्यवहार बिहार में भी वोट की चोरी करने का है। उन्होंने कहा कि बिहार में वे वोट चोरी नहीं होने देंगे। चुनाव आयोग खुद अपनी छवि खराब कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कर्नाटक के एक विधानसभा में वोटर को लेकर उन्होंने डाटा रखा था, लेकिन चुनाव आयोग ने हमसे ही एफिडेविट की मांग कर दी, जबकि करीब वही बात भाजपा के अनुराग ठाकुर ने रखी, लेकिन उनसे एफिडेविट की मांग नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मीडिया को भी मालूम है कि चुनाव आयोग किसके साथ खड़ा है।

आरजेडी से गठबंधन के कारण बिहार में कमजोर हुई कांग्रेस

मंत्री अशोक चौधरी बोले-20 साल से 20 सीट नहीं जीत पाई पार्टी, इतिहास इसका गवाह है

पटना (एजेंसी)। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री अशोक चौधरी ने कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव की नजदीकियों पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब तक लालू प्रसाद यादव के साथ रहेंगे, तब तक कांग्रेस बिहार में कभी खड़ी नहीं हो सकती। चौधरी ने कहा कि इतिहास गवाह है, जिस दिन से सीताराम केसरी ने लालू प्रसाद यादव से

गठबंधन कराया, उसी दिन से बिहार में कांग्रेस का पतन शुरू हो गया और आज यह दल पूरी तरह से हाशिए पर है। चौधरी ने तंज कसते हुए याद दिलाया कि एक समय राहुल गांधी ने लालू प्रसाद यादव के लिए अमेंडमेंट बिल तक फाड़ दिया था, लेकिन आज उन्हीं के साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता सब देखती है और उसका फैसला हमेशा ईमानदार नेताओं के पक्ष में होता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब राजीव गांधी की रैली गांधी मैदान में हुई थी, तब तकरीबन 4.5 लाख लोग मौजूद थे। भीड़ ऐतिहासिक थी, लेकिन विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। इससे साफ है कि भीड़ वोट नहीं देती।

जर्मनी से 70 हजार करोड़ में 6 पनडुब्बियां खरीदेगा भारत

- जर्मन कंपनी से बातचीत को मंजूरी, इजराइल से भी रेम्पेज मिसाइल लेगी सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार वायुसेना और नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए दो बड़ी डील करने के लिए तैयार हो गई है। पहली डील रक्षा मंत्रालय और मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड जर्मनी से 6 सबमरीन खरीदने वाली है। सरकार ने प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत भारत में बनने वाली इन पनडुब्बियों की खरीद को लेकर बातचीत शुरू करने की मंजूरी दे दी है। यह डील 70 हजार करोड़ में हो सकती है। वहीं, भारत सरकार इजराइली रैम्पेज एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलों की बड़ी खेप खरीदने वाली है। सूत्रों के अनुसार, यह ऑर्डर जल्द ही फास्ट-ट्रैक प्रक्रिया के तहत दिया जाएगा। रैम्पेज मिसाइलों का इस्तेमाल पाकिस्तान के मुरीदके और बहावलपुर स्थित आतंकवादियों मुख्यालयों पर

सटीक हमलों में किया था। रक्षा मंत्रालय ने जनवरी में जर्मन कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के साथ एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम वाली छह पनडुब्बियां बनाने के लिए मझगांव डॉकयार्ड को अपना साझेदार चुना था। रक्षा अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी से कहा कि रक्षा मंत्रालय और कंपनी के बीच इस महीने के आखिर तक यह प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय और भारतीय नौसेना अगले 6 महीने में कॉन्ट्रैक्ट पर फाइनल मंजूरी देगी।

पूजा पाल को भाजपा वाले मार देंगे, जेल हम लोग जाएंगे

- अखिलेश बोले-इसलिए जांच हो, आखिर किससे है खतरा

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। लखनऊ में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कहा- विधायक पूजा पाल को भाजपा वाले मार देंगे, जेल हम लोग जाएंगे। इसलिए जांच होनी चाहिए कि पूजा पाल को किससे खतरा है। यूपी सरकार पर भरोसा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि कोई सीएम से मिल रहा हो और उसे जान का खतरा हो। इस मामले में सपा ने

गृहमंत्री को लेटर लिखा है। पूरी जांच की जानी चाहिए। पूजा पाल जितने साल तक सपा के साथ थीं, तब उन्हें कोई जान का खतरा नहीं था। दरअसल, दो दिन पहले पूजा पाल ने एक्स पर लेटर पोस्ट करके अखिलेश यादव पर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि अगर मेरे पति की तरह मेरी हत्या हो तो इसका दोषी समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को माना जाए।

भारतीय एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला टेस्ट सफल

- यह सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा, ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा

चांदीपुर (एजेंसी)। भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन ने ओडिशा के तट पर इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला टेस्ट किया है। यह एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसमें सभी स्वदेशी क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें और हाई पावर लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल हैं। यह परीक्षण शनिवार (23 अगस्त) को किया गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा- इस परीक्षण ने हमारे देश की मल्टी लेयर एयर डिफेंस

कैपेबिलिटी बढ़ाई है। यह सिस्टम दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रीजनल डिफेंस को मजबूती देगा। यह सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा माना जा रहा है। यह स्वॉर्म (एकसाथ छोड़े गए कई ड्रोन्स) ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से दिए अपने भाषण में सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी। परीक्षण के दौरान इस सिस्टम ने 2 हाई स्पीड फिक्स विंग अनमैन्ड ड्रोन, मल्टी कॉप्टर ड्रोन समेत तीन अलग-अलग टारगेट पर अटैक किया। ये तीनों टारगेट अलग-अलग हैं।

संक्षिप्त समाचार

पटना के फतुहा बाजार में 5 राउंड हवाई फायरिंग, गंगा स्नान करने जा रहीं महिलाएं और दुकानदार भागे

पटना। रविवार की सुबह पटना के फतुहा में कुछ अज्ञात बदमाशों ने खुलेआम हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने का प्रयास किया। बता दें कि घटना से तीज पर्व से पहले गंगा स्नान के लिए जा रही सैकड़ों महिलाएं इस घटना से बुरी तरह डर गईं। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया है और दुकानदारों के बीच भी खौफ है। जानकारी के अनुसार घटना फतुहा थाना क्षेत्र के केनरा बैंक के पास की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 3 से 4 की संख्या में आए युवकों ने बीच बाजार में अचानक अपनी कमर से कट्टा निकालकर हवा में ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। बदमाशों ने दहशत फैलाने के मकसद से एक बार में 5 राउंड फायरिंग की और फोरलेन की तरफ भाग निकले। फायरिंग की आवाज सुनकर बाजार में मौजूद लोग और दुकानदार सहम गए। सबसे ज्यादा दहशत में वे महिलाएं थीं, जो तीज से पहले गंगा स्नान के लिए फतुहा के त्रिवेणी घाट पर जा रही थीं। ट्रेन से फतुहा स्टेशन पर उतरकर ये महिलाएं स्टेशन रोड से होते हुए घाट की ओर बढ़ रही थीं, तभी ये घटना हुई। फायरिंग से डरकर महिलाएं इधर-उधर भागने लगीं। फतुहा एसडीपीओ अवधेश प्रसाद ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दो की संख्या में बदमाश आए थे और उन्होंने बाजार में 4 से 5 राउंड हवाई फायरिंग की है। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही अपराधियों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अब नहीं होगी सफाई कर्मियों की हड़ताल, आज से डेली उठेगा कचरा

पटना। पटना नगर निगम के कर्मियों ने अपना अनिश्चितकालीन हड़ताल अगले 10 दिनों तक के लिए स्थगित कर दिया है। आज से शहर में कचरे का उठाव नियमित तरीके से होगा। 11 सूत्री मांग को लेकर 4000 कर्मी 21 अगस्त से हड़ताल पर थे। पटना नगर निगम चतुर्थवर्गीय कर्मचारी महासंघ के प्रधान महासचिव नन्द किशोर दास ने कहा कि मुख्यमंत्री सचिवालय में मुलाकात के दौरान हमारी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया गया है। इसलिए हमलोग फिलहाल इसका इंतजार करेंगे। अगर तब भी कोई पहल नहीं की गई तो फिर हम अपना बैठक कर हड़ताल फिर से शुरू करेंगे। दैनिक कर्मियों कि सेवा स्थाई, निजीकरण समाप्त, स्थाई बहाली, प्रभारी व्यवस्था समाप्त, पद के अनुरूप वेतनमान, सेवानिवृत और मृत कर्मियों कि बकाया अन्तर्राशी भुगतान, समान काम के समान वेतन भुगतान, निजी एजेंसी के मनमानी पर रोक लगाने सहित अन्य मांगों कि पूर्ति सहित 11 सूत्री मांगों को लेकर सभी कर्मी पटना नगर निगम चतुर्थवर्गीय कर्मचारी महासंघ के बैनर तले आज से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर थे। नन्द किशोर दास ने आगे कहा कि निगम कर्मियों की संघर्ष को नगर आयुक्त बर्दाश्त नहीं पाते हैं। क्योंकि 90 प्रतिशत दलित पिछड़ा हीं है जो पटना शहर का कचरा साफ कर 25 लाख शहरवासियों को स्वच्छ रखने कि गारंटी करते हैं। इसलिए वो सफाई मजदूरों के आंदोलन से डर गए और सामने नहीं आ रहे हैं। सफाई मजदूर कि संघर्ष को रोकने के लिए धारा 144 लगाया गया मगर जायज़ मांगों को लेकर सफाई मजदूर रुकने वाले नहीं हैं।

तारामंडल में अगस्त के अंतिम होगा वीआर थिएटर का उद्घाटन, जर्मनी से मंगाया गया 3डी डोम स्क्रीन

पटना। पटना के तारामंडल में बन रहे वर्चुअल रियलिटी थिएटर का उद्घाटन अगस्त के अंतिम सप्ताह में होगा। यह नया थिएटर दर्शकों को अंतरिक्ष और ब्रह्मांड की दुनिया का एक रोमांचक अनुभव देगा। इसमें जर्मनी से मंगाया गया एक खास 3D डोम स्क्रीन लगाया जाएगा। यह स्क्रीन तारों और ग्रहों की दुनिया को बेहतर ढंग से प्रदर्शित करेगा। इसके फॉल्स सीलिंग का काम चल रहा है। इस VR थिएटर को करीब 5.59 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जा रहा है। इस थिएटर में दर्शकों को 3डी और 4डी का अनुभव मिलेगा। इसके लिए 25 सीटों वाला खास सिम्युलेटर कुर्सियां मंगाई गई है। वहीं, वीआर हेडसेट की मदद से लोग रोलर कोस्टर राइड, पानी के भीतर जाने का अहसास और कंपन जैसी गतिविधियों का अनुभव कर सकेंगे। इसके साथ ही 3डी साउंड सिस्टम भी लगाया जा रहा है। यह साउंड सिस्टम दर्शकों को ऐसा महसूस कराएगा कि जैसे वे खुद अंतरिक्ष में हों। दर्शकों को एक्टिव थ्रीडी ग्लास भी दिए जाएंगे, जिससे उनका अनुभव और भी प्रभावशाली बनेगा। वहीं, तारामंडल परिसर में सोविनियर शॉप भी तैयार किया जाएगा। इसका टेंडर फाइनल हो गया है। इस दुकान में विज्ञान से जुड़े उपकरण, विभिन्न विषयों की किताबें, स्पेस सूट, ड्रोन, साइंटिफिक मॉडल और बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक खिलौने उपलब्ध रहेंगे। इसका उद्देश्य बच्चों और युवाओं में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा जगाना है। यह एक विज्ञान के मेले के जैसा दिखेगा जहां हर तरफ सिर्फ विज्ञान से जुड़ी चीजें ही दिखेंगी।

चुनाव से पहले 14 थानेदारों की हुई ट्रांसफर पोस्टिंग

गांधी मैदान, पाटलिपुत्र, पत्रकार नगर समेत 24 पदाधिकारियों का तबादला

पटना। गांधी मैदान, पाटलिपुत्र, पत्रकार नगर समेत 14 थानों में नए थानेदारों की पोस्टिंग हुई है। जबकि 24 पदाधिकारियों का तबादला हुआ है। गांधी मैदान की जिम्मेदारी अखिलेश मिश्रा, अतुलेश कुमार सिंह को पाटलिपुत्र, सीतू कुमारी को पत्रकारनगर, अमित कुमार को गौरीचक, अफसर हुसैन को खाजेकला, जगदीप राणा को नेउरा, शंकर झा को नदी, अनिल कुमार को बेलछी, बिट्टू कुमार को रानीतलाब, अनिरुद्ध कुमार को खुसरूपुर, नवनीत राय को पंडारक, रविरंजन चौहान को भदौर, कलेंद्र कुमार को पिपरा, का थानेदार बनाया गया है। गौरीचक के पूर्व थानेदार अरुण कुमार, बेलछी थानेदार अनिल कुमार सिंह, भदौर थानेदार अरविंद कुमार, पंडारक थानेदार ललित विजय, पिपरा थानेदार राम कुमार पाल, नेउरा थानेदार राजेश कुमार पांडेय, रानीतलाब थानेदार प्रमोद कुमार को पटना पुलिस केंद्र बुला लिया गया है। इससे पहले स्वतंत्रता दिवस से ठीक एक दिन पहले 14 अगस्त को पटना के 7 शहरी इलाके के थानों में नए थानेदारों की पोस्टिंग हुई थी। प्रमोद कुमार को गर्दनीबाग, जन्मेजय राय को कोतवाली, पल्लव को बुद्धा कॉलोनी, जितेंद्र राणा को हवाई अड्डा, आलोक कुमार को धनरूआ की जिम्मेदारी मिली है। वहीं, रौशनी कुमारी को चित्रगुप्त नगर, रंजीत कुमार को बिहटा थानाध्यक्ष बनाया गया है।

'हार मिले तो चुनाव आयोग खराब, जीत मिले तो ठीक', राहुल-तेजस्वी पर भड़के रविशंकर प्रसाद

कहा- तेजस्वी माफी मांगें, राहुल गांधी की संगति में बिगड़ रही भाषा

एजेंसी, पटना

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पटना साहिब से सांसद रविशंकर प्रसाद ने आज बीजेपी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस और राजद पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर "झूठ फैलाने" और चुनाव आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव लगातार यह कह रहे हैं कि "हम वोट की चोरी नहीं करने देंगे"। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बेशर्मी से झूठ और बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। मैं आज कुछ तथ्य सामने रख रहा हूं और चाहता हूं कि इसका जवाब राहुल गांधी और तेजस्वी यादव दें।

2024 लोकसभा चुनाव का हवाला: भाजपा नेता ने उदाहरण देते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को 37, भाजपा को 33 और कांग्रेस को 6 सीटें मिली थीं। उस वक्त भी यही चुनाव आयोग था। जब चुनाव आयोग के जरिए समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के पक्ष में परिणाम आए तो चुनाव आयोग ठीक था, और अब जब उन्हें फायदा नहीं मिल रहा है तो चुनाव आयोग खराब हो गया? रविशंकर प्रसाद ने आगे महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना का जिक्र करते हुए कहा कि वहां कांग्रेस को अच्छी सफलता मिली, तब चुनाव आयोग पर किसी ने सवाल नहीं उठाया। क्या राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, प्रधानमंत्री और मीडिया किसी को भी छोड़ रखा है? देश अब इस तरह के आरोपों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

राहुल गांधी की संगति में तेजस्वी यादव की बिगड़ गई है भाषा: तेजस्वी यादव द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को "झूठा प्रधानमंत्री" कहने पर रविशंकर प्रसाद ने कहा कि तेजस्वी बाबू मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं और इस तरह की भाषा का प्रयोग करते हैं? राहुल गांधी की संगति में आकर उनकी भाषा भी बिगड़ गई है। जिस नरेंद्र मोदी को देश की जनता ने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री चुना, जिनकी अगुवाई में भारत की अर्थव्यवस्था नई ऊंचाइयों पर पहुंची, उन्हें झूठा कहना शर्मनाक है।

तेजस्वी यादव को मांगना चाहिए माफी: उन्होंने साफ कहा कि तेजस्वी यादव को अपने इस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। अगर वह ऐसे शब्दों का प्रयोग करेंगे तो बिहार की जनता उनसे और दूर हो जाएगी। राहुल गांधी की पार्टी तो पहले ही डूब चुकी है, क्या तेजस्वी यादव भी उनकी संगति में अपनी पार्टी को डुबाना चाहते हैं?

बिहार की जनता बरगलाने वाले नेताओं को पहचान चुकी है: प्रसाद ने कहा कि विपक्ष केवल जनता को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने का काम कर रहा है। बिहार की जनता भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा करती है और आने वाले विधानसभा चुनाव में विपक्ष को करारा जवाब देगी।

बिक्रम थाना में रिश्वत के आरोप में अपर थानाध्यक्ष निलंबित

एजेंसी, पटना

♦ युवक से 3500 रुपए लेने पर चौकीदार का बेटा गिरफ्तार, 4 पुलिसकर्मी सस्पेंड

पटना के बिक्रम थाना में रिश्वत लेने के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। थाने के दो एसआई और दो सिपाही को सिटी एसपी पश्चिम ने निलंबित कर दिया है। साथ ही थाना चौकीदार बमबम पासवान का पुत्र धर्मवीर कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इधर पूरे मामले पर पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि 21 अगस्त को वाहन चेकिंग के दौरान आदित्य कुमार पांडे को संदेह के आधार पर थाने लाया गया था। जांच के बाद उसे पीआर बॉन्ड पर छोड़ दिया गया।

थाने से छोड़ने के लिए एक व्यक्ति ने 5 हजार मांगे: अगले दिन आदित्य ने नगर पुलिस अधीक्षक को शिकायत की कि थाने से छोड़ने के लिए एक व्यक्ति ने 5 हजार रुपए मांगे थे। उसने 3,500 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर किए। जांच में पता चला कि चौकीदार के बेटे धर्मवीर ने एक पेंट की दुकान पर यह रकम ट्रांसफर करवाई थी। इस पर धर्मवीर को गिरफ्तार कर लिया गया। आगे की जांच में अपर थानाध्यक्ष एसआई राहुल कुमार सिंह, एसआई रेखा कुमारी, सिपाही राजा बाबू और सिपाही अमरेश कुमार की भूमिका संदिग्ध पाई गई। इन सभी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है। दरअसल आदित्य कुमार पांडे अपने तीन साथियों के साथ विक्रम में मेला देखने के लिए बाइक से आया था इसी दौरान बिक्रम पुलिस के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था तभी पुलिस को देखते आदित्य कुमार पांडे के दो साथी मौके से फरार हो गया, जिसके बाद पुलिस ने आदित्य कुमार पांडे को हिरासत में लेकर थाना लाई। पूछताछ और जांच के बाद पी आर बॉन्ड पर उसे छोड़ा गया।

चेकिंग के दौरान अनियंत्रित कार ने 3 पुलिसकर्मियों को ठोकर मारी

एजेंसी, पटना

♦ पटना में एक के कमर में आई चोट, 3 कर्मी घायल, एक आरोपी फोर्टिस का डॉक्टर

पटना के पीरबहोर थाना अंतर्गत कृष्णा घाट के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक अनियंत्रित कार ने 3 पुलिसकर्मियों को ठोकर मार दी। हवलदार बलभद्र महामरिक(56 वर्ष) घायल हो गए, जबकि पीटीसी ओमकार कुमार, सिपाही भोला पासवान गंभीर चोट लगी है। हवलदार बलभद्र महामरिक ने बताया कि कमर, पैर और सीने में गंभीर चोट लगी है। अपना इलाज PMCH में कराया है। उन्होंने बताया कि शनिवार की देर रात कृष्णा घाट चेकपोस्ट पर ड्यूटी के दौरान वाहन चेक कर रहे थे। इसी बीच तेज रफ्तार से आ रही कार को रुकने का इशारा किया गया।

अनियंत्रित कार ने सीधे रुकने की बजाय ठोकर मार दी। जिससे हाथ में रखा रेडियम स्टिक लाइट टूट गई। बताया गया कि आरोपी एक फोर्टिस अस्पताल का डॉक्टर है और दूसरा इंजीनियर है। उनका मोबाइल फोन गंगा नदी में गिर गया और वो सड़क पर गिरकर कुछ दूर तक घिसटा गए। हालांकि इसके बाद दो अन्य कर्मियों की सहायता से कार नंबर BRO 1BD1630 पकड़ी गई।

लाया गया पीरबहोर थाना: ट्रैफिक पुलिस ने आरोपी और उसके दोस्त को पकड़कर पीरबहोर थाने को सुपुर्द किया। जिसकी पहचान मोहम्मद हामिम काजी सैयद फराहुदीन खाजेकला पटना सिटी के रहने वाले के रूप में हुई है। गाड़ी में एक अन्य शख्स भी मौजूद थे, जिनकी पहचान फोर्टिस अस्पताल के डॉक्टर के तौर पर हुई है। फिलहाल पीरबहोर थाने में पीड़ित हवलदार की ओर से लिखित शिकायत की गई है।

'स्मैक और गांजा के ओवर डोज से गई जान'

एजेंसी, पटना

♦ दोस्तों ने पूछताछ में किया खुलासा, पटना-होटल में संदिग्ध हालत में मिला था युवक का शव

पटना के एग्जीबिशन रोड स्थित डे पिंटू होटल के कमरे में शनिवार को संदिग्ध परिस्थिति में एक युवक की डेडबॉडी मिली है। युवक की पहचान बेतिया के कालीबाग के रहने वाले शारिक तारीक के रूप में हुई है। शारिक पटना में रहकर ब्लिंकिट में जॉब करता था। जानकारी के अनुसार होटल डे पिंटू में शुक्रवार के दिन तीन दोस्त ठहरे थे। शनिवार की सुबह इसमें से एक दोस्त शारीक तारिक उर्फ बिट्टू की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। बिट्टू बेतिया का रहने वाला था और पटना के सुल्तानगंजन इलाके में रहता था। ब्लिंकिट में जॉब करता था। शुक्रवार के दिन उससे बेतिया से मिलने के लिए दो दोस्त मोहम्मद यूसुफ और अकबर आए। दोनों के लिए बिट्टू ने कमरा लिया। होटल में दोनों को ठहराया।

3 पुड़िया स्मैक लेने के बाद होटल लौटे: बिट्टू के दोस्त यूसुफ ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि दोपहर में रूम बुक करने के बाद तीनों अटल पथ पर घूमने चले गए। इसी बीच किसी से बिट्टू ने तीन पुड़िया स्मैक खरीदा। घूमने फिरने के बाद शाम 7:30 बजे तक होटल के कमरे में आ गए। खाना बाहर से ही मंगाया और कमरे में बैठकर तीनों ने एक साथ खाए। यूसुफ ने बताया कि बिट्टू ने तीनों के लिए नशे का इंतजाम किया था। गांजा, स्मैक सब लाया था। मैं और अकबर गांजा पीकर रिलेक्स हो गए। लेकिन बिट्टू खाने के बाद से लगातार स्मैक और गांजा पिता रहा। लगभग ढाई घंटे तक वो नशा करते रहा। पहले से उसे पीने की आदत थी, तो हमलोगों ने भी मना नहीं किया।

एंबुलेंस पहुंचने से पहले हुई मौत: इसके बाद वो अपनी गर्लफ्रेंड से ऑडिया और वीडियो कॉल बात करने लगा। फिर हम दोनों सो गए। वो कब सोया पता नहीं चला। सुबह में वेटर जब दरवाजा खोलने के लिए दरवाजा खटखटाया तब नींद खुली। उस वक्त बिट्टू की तबीयत ज्यादा खराब थी। हमलोग एंबुलेंस ढूंढने में लगें तब तक उसकी मौत हो गई। बिट्टू की हमलोगों से कोई दुश्मनी नहीं थी। वो परिवार से ही था और मेरा जिगरी भी था। बताया कि उसके पिता नशे के चलते बेतिया से हटाकर पटना लाए थे। हमलोगों की पुरानी दोस्ती थी। मिलने के लिए पहले से प्लान कर रहे थे। बता दें कि यूसुफ दुकान चलाने के साथ पढ़ाई करता है और मोहम्मद अकबर काम करता है।

मौत के बाद बॉडी अकड़ गई थी: होटल के मालिक शांतनु घोष ने बताया कि 206 में तीनों ठहरे थे। देर रात बारिश में भींगकर आए थे। सुबह के वक्त शारिक के दोस्तों ने रिसेप्शन पर बैठे कर्मी को बताया कि शारिक की तबीयत खराब है। फिर कुछ देर के बाद उन्होंने बताया कि उसकी मौत हो गई है। बॉडी अकड़ गई है। इसके बाद मैंने इसकी सूचना गांधी मैदान थाने को दी। दोस्तों ने शारिक के गर्लफ्रेंड को कॉल किया था। वहीं, आई तो उसके पिता को फोन किया। पिता भी आए थे। उन्होंने बताया कि बेटे को नशेड़ियों से पीछा छुड़ाने के लिए यहां लाया था।

दोस्तों से पूछताछ जारी: सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया कि दोनों दोस्तों को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है। पिता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। युवक सुल्तानगंज इलाके में रहता था। फिलहाल छानबीन जारी है।

मंत्री अशोक चौधरी बोले-20 साल से 20 सीट नहीं जीत पाई पार्टी, इतिहास इसका गवाह है

एजेंसी, पटना

♦ राजद से गठबंधन के कारण बिहार में कमजोर हुई कांग्रेस

जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री अशोक चौधरी ने कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव की नजदीकियों पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब तक लालू प्रसाद यादव के साथ रहेंगे, तब तक कांग्रेस बिहार में कभी खड़ी नहीं हो सकती। चौधरी ने कहा कि इतिहास गवाह है, जिस दिन से सीताराम केसरी ने लालू प्रसाद यादव से गठबंधन कराया, उसी दिन से बिहार में कांग्रेस का पतन शुरू हो गया और आज यह दल पूरी तरह से हाशिए पर है।

20 साल में 20 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए: चौधरी ने तंज कसते हुए याद दिलाया कि एक समय राहुल गांधी ने लालू प्रसाद यादव के लिए अमेंडमेंट बिल तक फाड़ दिया था, लेकिन आज उन्हीं के साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता सब देखती है और उसका फैसला हमेशा ईमानदार नेताओं के पक्ष में होता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जब राजीव गांधी की रैली गांधी मैदान में हुई थी, तब तकरीबन 4.5 लाख लोग मौजूद थे। भीड़ ऐतिहासिक थी, लेकिन विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। इससे साफ है कि भीड़ और वोट में फर्क होता है। जनता सम्मान उसी को देती है, जो उसके भरोसे पर खरा उतरता है। चौधरी ने कहा कि यही कारण है कि पिछले 20 वर्षों में कांग्रेस, लालू यादव के साथ रहकर 20 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाई। लेकिन जब नीतीश कुमार के साथ रही, तो कांग्रेस को 27 सीटें मिलीं।

सहयोगियों के साथ हमेशा ईमानदार रहते मुख्यमंत्री: नीतीश कुमार की तारीफ करते हुए चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री अपने महागठबंधन के सहयोगियों के साथ हमेशा ईमानदार रहते हैं। जबकि तेजस्वी यादव अपने साथियों को भरोसा नहीं दे पाते। उन्होंने कहा कि जिसके छलनी में 72 छेद हैं, वह दूसरों को क्या दोष देगा और भ्रष्टाचार पर क्या बोलेगा।

एनडीए के कार्यकर्ता सम्मेलन और विपक्ष की वोट मताधिकार यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि आरोप लगाना विपक्ष का काम है। लेकिन एनडीए हर साल बैठक करता है और चुनाव के समय जनता के बीच जाकर काम करता है। अपने विभाग में हुई छापेमारी पर चौधरी ने कहा कि इस पर विभाग के एसीएस (अपर मुख्य सचिव) जवाब देंगे। जहां छापेमारी हुई है, उससे संबंधित जानकारी वही देंगे।

चंबल घाटी में पुलिस की छापेमारी

एजेंसी, पटना

♦ गेसिंग के कूपन, रुपए, गोली, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बरामद, अवैध तरीके से चला रहे थे गेसिंग

पीरबहोर थाना क्षेत्र चंबल घाटी में पुलिस ने गेसिंग के अड्डे पर छापेमारी की है। 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि मुख्य सरगना राशिद अभी भी फरार है। पकड़े गए आरोपियों के पास से पासपोर्ट, वॉकी टॉकी, 110000 रुपए, ATM कार्ड, गेसिंग के कूपन, बैनर, कैलकुलेटर, स्वैपिंग मशीन बरामद किए गए हैं। सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया कि सब्जीबाग में अवैध रूप से गेसिंग खेलने और गेसिंग अड्डा के बारे में जानकारी मिली थी। सूचना के सत्यापन के लिए टाउन DSP राजेश रंजन के नेतृत्व एक छापेमारी टीम गठित की गई। पीरबहोर थानेदार सज्जाद गद्दी, अपर थानेदार जावेद अहमद समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। जब टीम स्पॉट पर पहुंचीं और तलाशी ली गई तो गेसिंग खेलते 16 लोग स्पॉट से पकड़े गए।

यहां से गेसिंग के पर्याप्त साक्ष्य भी मिले। वॉकी टॉकी का इस्तेमाल पुलिस की गतिविधि पर नजर रखने के लिए कर रहे थे। जैसे पुलिस वहां से गुजरती थी, फौरन सभी को इनफॉर्म कर देते थे। जब संचालक मोहम्मद सैफुल्लाह से पूछताछ हुई तो उसने बताया कि इस अड्डे का मुख्य संचालक मोहम्मद राशिद है, जो पुणे से नंबर भेजता है। इसी आधार पर इस खेल में हार जीत तय होती है। सैफुल्ला की निशानदेही पर राशिद के घर पर छापेमारी की गई। जहां से डेली की हिसाब पंजी, वॉकी टॉकी, 89,210 रुपए, 4 जिंदा कारतूस, पासपोर्ट बरामद किए गए।

अब आईटी गोलंबर से सीधे जा सकेंगे जेपी गंगा पथ

पटना। पटना के सभ्यता द्वार का दीदार करने के लिए आने वाले लोग अब जेपी गंगा पथ से भी आ सकेंगे। इसके लिए वेलकम गेट और वॉकिंग ट्रैक गंगा किनारे बनाया जाएगा। वहीं, अब लोग इनकम टैक्स गोलंबर से सीधे गंगा पथ जा सकेंगे। इसके अलावा जेपी गंगा पथ पर पार्किंग की भी सुविधा दी जाएगी जिसमें लगभग 4000 कार और 13000 दो पहिया वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था होगी।

इन सभी परियोजनाओं का शिलान्यास आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। सीएम आज 196 करोड़ 80 लाख की लागत से पटेल गोलंबर से अटल पथ तक सरपेंटाइन नाले पर अंडरग्राउंड नाला सहित फोरलेन सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ करेंगे। इसके पथ की लंबाई 860 मीटर और चौड़ाई 18 मीटर होगी। इसे जुलाई 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

सम्राट चौधरी बोले– कांग्रेस-राजद राजतंत्र का प्रतीक

एजेंसी, पटना

♦ अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे

भाजपा नेता अरुण जेटली की पुण्यतिथि पर रविवार को पटना के कंकड़बाग स्थित पार्क में भाजपा नेताओं ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय समेत कई भाजपा नेताओं ने जेटली के योगदान को याद किया। साथ ही कांग्रेस-राजद गठबंधन और इनके वोटर अधिकार यात्रा पर तीखा हमला बोला। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद लोकतंत्र के नहीं, बल्कि राजतंत्र के प्रतीक हैं। एक ही परिवार की पार्टी ने 75 वर्षों में से 55 वर्षों तक सत्ता में रहकर देश और बिहार को पीछे धकेला। गरीबी और पिछड़ापन अगर बिहार में है तो इसका कारण कांग्रेस और राजद की नीतियां हैं। देश में अगर भाईचारा बिगड़ा है तो उसकी जड़ में भी यही दोनों दल हैं।

विपक्ष की यात्राओं से नहीं पड़ता कोई फर्क: चौधरी ने आगे कहा कि बिहार आज बदल रहा है। सड़कों, बिजली और अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल चुकी है। बिहार में सुशासन है। यहां कोई भी बड़ा अपराध होता है तो 100 घंटे के अंदर कार्रवाई की जाती है। यही लोकतंत्र की पहचान है। जितना यह लोग सड़क पर उतरेंगे, उतना ही एनडीए का वोट बढ़ेगा। बिहार ने स्वर्णिम काल दिया है और यही गणतंत्र की जन्मस्थली है। विपक्ष की यात्राओं से कोई फर्क नहीं पड़ता। उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिवंगत अरुण जेटली की आर्थिक नीतियों का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी जी के आने के बाद ही देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आया। मनमोहन सिंह अर्थशास्त्री थे, फिर भी देश की अर्थव्यवस्था ठहर गई थी। अरुण जेटली ने जीएसटी लागू कर देश को आर्थिक क्रांति दी। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीएसटी को और मजबूत किया जा रहा है।

मोदी जी ने बदली देश की अर्थव्यवस्था: उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष के नेता जिनके साथ घूम रहे हैं, उन्हीं कांग्रेस ने उनके पिता पर पशुपालन घोटाले में पहली बार एफआईआर दर्ज की थी। जनता दल की सरकार के वक्त चार्जशीट हुआ और जेल गए। कांग्रेस की ही सरकार थी जिसने उन्हें सजा दिलवाई। आज उन्हीं कांग्रेसियों के साथ वे हाथ मिलाकर घूम रहे हैं। बिहार सरकार में मंत्री मंगल पांडेय ने कांग्रेस और राजद की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर कहा कि इन लोगों को लगता है कि चुनाव आयोग का काम इनके खिलाफ जा सकता है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट समय दिया है, जिसके भीतर कोई भी आपत्ति दर्ज कर सकता है। लेकिन आयोग के सामने बात रखने के बजाय ये सड़क पर राजनीति कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस हिरासत में गिरफ्तार वारंटी की इलाज के दौरान मौत, परिजन और ग्रामीणों ने थाने का किया घेराव

बीएनएम@ पताही/फेनहारा। थाना क्षेत्र के गोबिंदबारा गांव निवासी बैद्यनाथ पासवान के 50 वर्षीय पुत्र सुरेश पासवान को पुलिस ने बीती देर रात घर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे हाजत में रखा गया, जहां अचानक उसकी तबियत खराब हो गई। सुरेश पासवान को तुरंत फेनहारा बाजार के एक निजी नर्सिंग होम में ले जाया गया। गंभीर हालत देखकर डॉक्टरों ने उसे रेफर किया और मधुबन के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। वहां भी हालत गंभीर होने के कारण उसे मोतिहारी स्थित एसकेएमसीएच रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृत्यु की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण फेनहारा थाना पहुंचे और थाने का घेराव किया। परिजनों ने पुलिस पर मारपीट का आरोप लगाया। घटना स्थल पर पहुंचे डीएसपी कुमार चंदन ने परिजनों को समझा-बुझा कर शांत कराया। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की पुलिस लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया है।

रक्सौल में मनाया गया एसएसबी 47वीं वाहनी का 15वां स्थापना दिवस

बीएनएम@ रक्सौल। एसएसबी हेडक्वार्टर रक्सौल में 47वीं वाहनी का 15वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कमांडेंट संजय पांडेय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान एसएसबी जवानों और स्कूली छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। साथ ही खेलकूद का भी आयोजन किया गया। कमांडेंट संजय पांडेय ने कहा कि एसएसबी न केवल सीमा सुरक्षा सुनिश्चित कर रही है, बल्कि सामाजिक दायित्व निभाते हुए सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ मधुर संबंध भी स्थापित कर रही है। उन्होंने सभी उपस्थित अतिथियों और जवानों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को सांस्कृतिक और खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कमांडेंट नवीन कुमार, रक्सौल एसडीपीओ मनीष आनन्द, भूमि पतन प्रशासक कुमार राजीव रंजन, इमिग्रेशन अधिकारी अजित कुमार, सहायक कमांडेंट दीपांशु चौहान सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पुलिस का अजब-गजब कारनामा, गलत घर की कर दी कुर्की

तुरकौलिया में प्रशासन की बड़ी लापरवाही, गवाह के हस्ताक्षर पर खुली पोल, DSP ने दिया जांच

बीएनएम@ तुरकौलिया। तुरकौलिया पुलिस की बड़ी चूक से प्रशासन की किरकिरी हो गई है। जयसिंहपुर पुलवाघाट गांव में पुलिस ने दोषी के घर की जगह एक निर्दोष मजदूर के बंद घर का ताला तोड़कर कुर्की कर दी। घटना के अनुसार पुलिस टीम संतोष सिंह (पिता–बीरेंद्र सिंह) के बंद घर पहुंची और कुर्की की कार्रवाई करते हुए ताला तोड़ घर का सारा सामान बाहर निकाल दिया। संतोष सिंह फिलहाल बेंगलुरु में मजदूरी कर रहे हैं और उनकी पत्नी मायके गई हुई हैं। संतोष के बड़े भाई के साथ रह रही मां बासमती कुवार को जब गवाह के रूप में बुलाया गया और हस्ताक्षर करने को कहा गया, तब जाकर पुलिस को अपनी गलती का एहसास हुआ कि यह घर कुर्की के लिए चिन्हित ही नहीं था। आनन-फानन में पुलिस ने सामान वापस घर में रखवाया और लौट गई।

फोन पर बातचीत में संतोष सिंह ने कहा– "मेरे घर का ताला तोड़ कर सामान बाहर फेंक दिया गया। अगर जेवरात या कीमती सामान गायब मिलता है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? इस हरकत से मेरी प्रतिष्ठा धूमिल हुई है।" इस संबंध में सदर डीएसपी दिलीप सिंह ने कहा कि मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

20 लीटर देसी शराब बरामद, तीन गिरफ्तार, वारंटी भी पकड़ा गया

बीएनएम@ अरेराज। शराबबंदी कानून को लागू कराने के लिए मलाही पुलिस ने शनिवार को अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। दो अलग-अलग मामलों में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें से एक आरोपी के पास से 20 लीटर देसी चूलाई शराब बरामद की गई। वहीं, शराब सेवन के आरोप में दो लोगों को पकड़ा गया। इसके अलावा एक फरार वारंटी को भी पुलिस ने दबोच लिया। पहले मामले में पुलिस ने सोनवल उत्तर पट्टी (थाना पहाड़पुर) निवासी सिपाही कुमार (24), पिता लक्ष्मण साह को गिरफ्तार किया। उसके पास से 20 लीटर देसी शराब बरामद हुई। इस संबंध में मलाही थाना कांड संख्या 278/25, दिनांक 23/8/25, धारा 30(A)37 बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। दूसरे मामले में चटिया टोला मठ निवासी राजू कुमार (25), पिता नथुनी ठाकुर और सिरनी बाजार निवासी संतोष चौधरी (45), पिता फागु चौधरी को पुलिस ने शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ मलाही थाना कांड संख्या 277/25, दिनांक 23/8/25, धारा 37 बिहार मध्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। इस दौरान पुलिस ने वारंटी नंबर 744/25, मझरिया निवासी बृज किशोर यादव (35), पिता जगरनाथ यादव को भी गिरफ्तार कर लिया। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। थानाध्यक्ष करण सिंह ने कहा कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पुलिस की ऐसी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

गुरु सम्मान समारोह का किया गया आयोजन

बीएनएम@ मोतिहारी

25 विद्यालयों के कुल 50 शिक्षकों को किया गया सम्मानित

शहर स्थित चम्पारण सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के तत्वावधान में रविवार को गुरु सम्मान समारोह का भव्य आयोजन सीएमजे इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन में किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रवि प्रकाश, हेड, सीबीएसई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, पटना ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि कौशिक बिस्वास, प्राचार्य सीएस डीएवी पब्लिक स्कूल, मोतिहारी, संरक्षक डॉ. सी.बी. सिंह, एस.एन. सिंह, अध्यक्ष विद्यापति झा सहित चम्पारण सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में सीएम.एम.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के छात्रों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। तत्पश्चात एम.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत गुरु वंदना की गयी। सीएमजे इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिन्हें उपस्थित सभी अतिथियों एवं शिक्षकों ने सराहा। मुख्य अतिथि रवि प्रकाश ने अपने संबोधन में शिक्षकों की समाज निर्माण में भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि "गुरु ही सच्चे अर्थों में राष्ट्र निर्माता हैं। उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी जीवन की ऊँचाइयों को छूते हैं। इस अवसर पर उत्तर बिहार के 25 विद्यालयों के कुल 50 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। उन्हें मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान चिह्न प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुमारी अंजली (सिटी को-ऑर्डिनेटर, सीबीएसई, चम्पारण) ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कॉम्प्लेक्स के अध्यक्ष विद्यापति झा ने प्रस्तुत किया। मौके पर सम्मानित शिक्षकों तथा अन्य में संरक्षक डॉ. सी.बी. सिंह, एस.एन. सिंह, अध्यक्ष विद्यापति झा, उपाध्यक्ष ई. आर.के. सिंह, डॉ. आर.के. झा, रणवीर सिंह, विकास गिरी, इमैनुएल शर्मा, शिव किशोर सिंह, जीवन प्रकाश, सचिव सतनाम सिंह, संयुक्त सचिव के.एम. मिश्रा, नीरज गुप्ता, कोषाध्यक्ष एवलिन प्रकाश, शांतिनिकेतन जुबिली स्कूल, मोतिहारी प्रवीण कुमार परनय, दीपक कुमार वर्मा, नोट्रेडेम पब्लिक स्कूल, बेतिया सबीता शर्मा, मोज़म्मिल हुसैन, एम.एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल, मोतिहारी, नम्रता शर्मा, प्रिंस कुमार, लक्ष्य राज पब्लिक स्कूल, मोतिहारी ताहिर हुसैन, सोनवर्षा कुमारी, कैम्ब्रिज इंटरनेशनल अकादमी, मोतिहारी, विवेक कुमार गिरी, सोनम सिंह, द चन्द्रशील स्कूल, रक्सौल, यशवंत कुशवाहा, अखिलेश कुमार, लेवाना पब्लिक स्कूल, चकिया धर्मेन्द्र कुमार, जिन्सी जॉर्ज, कैम्ब्रिज पब्लिक स्कूल, रक्सौल डॉ. शशि रंजन सिंह, प्रभात रंजन मिश्रा माउंट लिटेरा जी स्कूल, मोतिहारी रतन कुमार, पुष्पांजलि कुमारी, सीएमजे इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, मोतिहारी महेलाक्वा, खुशबू कुमारी, जी.के. मेमोरियल स्कूल, सेमरा स्मिता पाण्डेय, दिलीप झा, सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, नरकटियागंज रवि रंजन, राजेश छेत्री, सेंट माइकल्स अकादमी, बेतिया श्रीराम, अमन गुप्ता, संस्कृति पब्लिक स्कूल, अरेराज संतोष कुमार सिंह, प्रियांका मिश्रा, एस.पी. मेमोरियल पब्लिक स्कूल, ढाका सुजीत कुमार श्रीवास्तव, शबनम अख्तर, विद्यापति पब्लिक स्कूल, पडुमकेर आर.एन. झा, मोतिउर रहमान अंसारी, चेला मेरी मेमोरियल हाई स्कूल, मोतिहारी राम नारायण सिंह, शाहीन परवीन, वी.ए. होली मिशन हाई स्कूल, लखौरा – सुधीर लकड़ा, जितेन्द्र कुमार सिन्हा, ज्ञान ज्योति, घोड़ासहन- अक्षय कुमार, रवि प्रकाश गुप्ता, दिल्ली पब्लिक स्कूल जुबिली, मोतिहारी- एन.के. सिंह, वरुण कुमार श्रीवास्तव, मधुबन सेंट्रल स्कूल, मधुबन भारत भूषण, सोनी सिंह, जीवन पब्लिक स्कूल, मोतिहारी मनु प्रसाद, लक्ष्मी कुमारी, जीवन इंटरनेशनल स्कूल, मोतिहारी अनुराधा देवी, हर्षवर्धन कुमार सहित अन्य का नाम शामिल है।

पताही में हथियार फैक्ट्री का उद्भेदन, दो भाई गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

पताही के देवापूर में पुलिस ने हथियार और बंदूक बनाने वाली फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। यह कार्रवाई पताही थाना पुलिस द्वारा रविवार को की गई, जिसमें फैक्ट्री संचालक विकास साहनी और प्रकाश साहनी, जो सहोदर भाई हैं, को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने फैक्ट्री से कई प्रकार के हथियार और उपकरण बरामद किए हैं। इसमें तीन राइफल के बैरल, एक देसी कट्टा का बैरल, राइफल का बट, लोहे का शिकंजा, कटर मशीन, आयरिश मशीन, आधार कार्ड फिंगरप्रिंट मशीन, मोहर, छेनी, हथौड़ी और अन्य निर्माण सामग्री शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह फैक्ट्री लंबे समय से हथियार बनाने का काम कर रही थी और स्थानीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही थी। बरामद सामग्री से यह स्पष्ट होता है कि यहां बड़े पैमाने पर हथियार निर्माण और आपूर्ति की योजना बनाई जा रही थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने पूरे परिसर की जांच की और संबंधित सभी उपकरण और सामग्री को जब्त कर लिया। गिरफ्तार दोनों भाईयों से पूछताछ जारी है और पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इनके हथियार किसे सप्लाई किए जा रहे थे। पताही पुलिस की इस कार्रवाई को स्थानीय लोगों ने सराहा है। अधिकारियों का कहना है कि इस सफलता से क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत होगी और हथियारों के अवैध निर्माण पर लगाम लगेगी।

राजद महिला प्रकोष्ठ ने की बैठक, वोट अधिकार यात्रा के स्वागत की तैयारियाँ तेज

बीएनएम@ मोतिहारी

नगर के चांदमारी स्थित राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय में रविवार को महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष पूनम देवी की अध्यक्षता में एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला के सभी प्रखंड अध्यक्ष, पंचायत अध्यक्ष और जिला महिला पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंच का संचालन आशिया नूर ने किया। बैठक में पूनम देवी ने कहा कि एनडीए संविधान को कमजोर करने की कोशिश कर रही है और गरीब, अल्पसंख्यक वंचित समाज के वोटरों के नाम कटवाने की कार्यवाही कर रही है। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में महिला सब सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगी। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव की सरकार बनने पर माई-बहन योजना लागू की जाएगी। बैठक में माई-बहन योजना को घर-घर पहुँचाने का संकल्प लिया गया। आगामी 28 अगस्त को चंपारण में इंडिया गठबंधन के सभी नेताओं सहित राहुल गांधी, विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, दीपांकर भट्टाचार्य, मुकेश सहनी आदि के स्वागत के लिए महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर शशिकला देवी, प्रभावती देवी, ममता देवी, नगमा खातून, चन्दा कुमारी, जिला सचिव शीला देवी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जन वितरण प्रणाली दुकानदारो ने निकाला कैंडल मार्च, सरकार से की दो सूत्री मांगें

बीएनएम@ हरसिद्धि

फेयर प्राइज एसोसिएशन के बैनर तले प्रखंड क्षेत्र के सभी जन वितरण प्रणाली (PDS) के दुकानदार रविवार को संध्या कैंडल मार्च निकालकर अपनी दो सूत्री मांगों को लेकर सरकार को आगाह किया। मार्च की शुरुआत गायत्री पेट्रोल पंप से हुई और यह प्रखंड मुख्यालय के गेट तक जारी रही। प्रखंड अध्यक्ष ललन सिंह ने बताया कि उनकी मुख्य मांगें हैं कि जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों को सरकार से मानदेय दिया जाए और अनुकंपा बहाली की आयु सीमा बढ़ाई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार उनकी मांगें नहीं मानती, तो दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर सड़क से सदन तक संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के रवैये से डीलरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और इसके विरोध में वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को तैयार हैं। पूर्व विधायक राजेंद्र राम ने कैंडल मार्च में भाग लेकर दुकानदारों के समर्थन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि सरकार हिटलरी रवैया अपना रही है और डीलर नीतीश राज में सुरक्षित नहीं हैं। ये दुकानदार मुफ्त में आम जनता की सेवा करते हैं और इन्हें मानदेय मिलना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र राम, जिप राजेंद्र यादव, केदारनाथ तिवारी, पुरुषोत्तम कुमार, वीरेंद्र कुमार, शेषनाथ प्रसाद, लक्ष्मण प्रसाद, मदन साहनी, हरिलाल प्रसाद समेत सैकड़ों PDS दुकानदार कैंडल मार्च में शामिल हुए।

रामगढ़वा पुलिस का विशेष अभियान में बाइक चोरी, वारंटी और शराबियों समेत 5 गिरफ्तार

बीएनएम@ रामगढ़वा

रामगढ़वा थाना पुलिस ने रविवार को विशेष समकालीन अभियान चलाकर अलग-अलग मामलों में पाँच लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें मोटरसाइकिल चोरी का आरोपी, वारंटी, शराब पीने वाले और हत्या के प्रयास के मामले का अभियुक्त शामिल है। पुलिस ने बताया कि मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में अब्बास सिद्दकी को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी के दौरान एक वारंटी मौलादीन मियां भी पकड़ में आया। इसी क्रम में शराब पीने के आरोप में गणेश साह और झूमेंद्र कुमार को हिरासत में लिया गया। हत्या के प्रयास के मामले के अभियुक्त शेख इकराम को भी पुलिस ने दबोच लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी में उपयोग की जाने वाली तीन मास्टर चाबियां भी बरामद की हैं। सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह ने कहा कि अपराध और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान लगातार जारी रहेगा। अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

कवलपुर सीएसपी लूटकांड का खुलासा, पाँच अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम@ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के कवलपुर चौक स्थित एसबीआई सीएसपी केंद्र संचालक रामपुकार सहनी पर 20 अगस्त को हुई लूट का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। इस मामले में पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शंकर सरैया बाबु टोला स्थित पुलिया के पास काले रंग की रेड स्टिकर वाली अपाची बाइक पर सवार दो युवकों को रोका। तलाशी के दौरान उनके पास से एक देसी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में दोनों ने लूट में शामिल होने की बात स्वीकार की। इसके बाद तीन अन्य अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में कल्याणपुर थाना क्षेत्र के दिलीप कुमार, अर्जुन कुमार, मुकेश कुमार और रंजन कुमार, तथा मुजफ्फरपुर जिले के कॉटी थाना क्षेत्र के रमेश कुमार शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से बिना नंबर की काले रंग की अपाची बाइक, दो देसी कट्टे, चार जिंदा कारतूस, चार स्मार्टफोन और घटना में इस्तेमाल की गई चप्पल बरामद की है। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ में कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ मिली हैं, जिनके आधार पर अन्य फरार अपराधियों की तलाश की जा रही है।

रक्सौल में तीज महोत्सव पर महिलाओं को निःशुल्क मेंहदी सेवा

बीएनएम@ रक्सौल

शहर के बैंक रोड स्थित श्री सत्यनारायण मारवाड़ी पंचायती मंदिर परिसर में राइज एनजीओ एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रक्सौल शाखा के तत्वावधान में रविवार को सावन सुहाना तीज महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर सौ से अधिक महिलाओं को विशेषज्ञ मेंहदी आर्टिस्टों द्वारा निःशुल्क मेंहदी लगाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और गणेश वंदना के साथ राइज की सचिव शिखा रंजन, मारवाड़ी महिला सम्मेलन की अध्यक्षा सोनू काबरा, सचिव संगीता अग्रवाल, अनुराधा शर्मा और धीरज कुमार ने संयुक्त रूप से किया। अध्यक्षों ने बताया कि हरतालिका तीज व्रत श्रद्धा, निष्ठा और दाम्पत्य स्नेह का प्रतीक है। इसमें सोलह श्रृंगार कर हाथों पर मेंहदी रचाना विवाहित महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। ऐसा माना जाता है कि इस परंपरा का पालन करने से देवी पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है और वैवाहिक जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बढ़ती है। इस अनूठी पहल के लिए उपस्थित महिलाओं ने दोनों संस्थाओं की सराहना की। कार्यक्रम में सोनू काबरा, संगीता अग्रवाल, शिखा रंजन, अनुराधा शर्मा, बबली अग्रवाल, सोनी कुमारी और लक्ष्मी समेत कई अन्य महिलाएं उपस्थित थीं।

संक्षिप्त समाचार

वनस्पति देवी माँ मंदिर के पास होगा तेजस्वी व राहुल गांधी का स्वागत : ओमप्रकाश

बीएनएम@ रामगढ़वा। रामगढ़वा स्थित राजद कार्यालय में रविवार को कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सुगौली के राजद के पूर्व प्रत्याशी ओमप्रकाश सहनी ने की। इसमें तेजस्वी यादव और राहुल गांधी के आगामी दौरे की तैयारियों को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि दोनों नेताओं का स्वागत रामगढ़वा के वनस्पति स्थान पर किया जाएगा। इस मौके पर दोनों प्रखंडों से करीब एक हजार बाइक के साथ कार्यकर्ता स्वागत जुलूस में शामिल होंगे। कार्यकर्ताओं ने तय किया कि नेताओं के साथ आम लोगों की समस्याओं पर भी चर्चा की जाएगी। पूर्व प्रत्याशी ओमप्रकाश सहनी ने कहा कि राजद का मुख्य उद्देश्य आम जनता के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस दौरे से पार्टी को मजबूती मिलेगी और नीतियां जन-जन तक पहुंचेंगी। बैठक में राजद कार्यकर्ता मंटू सिंह, एबदुर रहमान, मोहम्मद बरकतउल्ला, रामबाबू साह, मोतीलाल यादव गोभी वाले, कुणाल गुप्ता, नवल किशोर पंडित, नंद किशोर यादव, छोटन सिंह, कुसुम देव यादव, ब्रनेश सिंह, प्रमोद यादव, पूर्व प्रमुख इजहार हुसैन समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

93 वर्षीया विद्या देवी का हुआ सफल ऑपरेशन, खुशी का माहौल

बीएनएम@ बगहाः प्रखंड बगहा एक के सिसवा-बसंतपुर पंचायत के बसंतपुर गांव के पूर्व में गंडक प्रोजेक्ट में कार्यरत पंचानन मिश्रा की पत्नी 93 साल की वृद्ध महिला विद्या देवी आखिर में जंग जीत गई। पंचानन मिश्रा सिसवा बसंतपुर गांव के निवासी है। जिनका 15 दिन पूर्व ब्रेन हेमरेज हो गया था। तथा वे कोमा की हालत में चली गई थी। परंतु उनके पोता विकास कुमार मिश्रा और बेटा डॉक्टर अजय कुमार मिश्रा ने उनको मेरीगोल्ड हॉस्पिटल डॉक्टर संजय कुमार जायसवाल से डिस्कशन के बाद एडमिट करने का फैसला लिया। परंतु 93 साल उम्र होने के कारण डॉक्टर की टीम ने इलाज से सहमत नहीं हुए। इधर परिवार के साथ जीवन और मृत्यु के बीच में जूझ रही माता जी के लिए परिवार के सामने बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो गई थी। परंतु उनके चारों बेटों और पांचो बेटियों ने निर्णय लिया की चाहे जो भी होगा इलाज तो होना चाहिए। ऑपरेशन तो होना चाहिए और डॉक्टर को हिम्मत दिया। डॉ संजय कुमार जायसवाल मेरीगोल्ड के अध्यक्ष वह ब्रेन एंड स्पाइन के डॉक्टर ने अपने टीम के साथ 2 घंटे के सफल ऑपरेशन के बाद आईसीयू में शिफ्ट कर दिया और भगवान की कृपा से वह उनकी याददाश्त भी पुनः वापस आ गई। और सकुशल स्वस्थ होकर आज अपने घर आ गई। मालूम हो कि उनके परिवार में 96 वर्षीय पति पंचानन मिश्रा जो गंडक प्रोजेक्ट में कार्यरत थे। आज कुशलता पूर्वक स्वस्थ है उनके चार बेटे, पांच बेटियां, पांच पोते पोतियो, जिसमें चार पोते डॉ प्राची मिश्रा, डॉ ऋचा मिश्रा, डॉक्टर शिवम कुमार मिश्रा, डॉ सत्यम कुमार मिश्रा, पोतियां भी डॉक्टर हैं। अब 93 वर्षीय माताजी और 96 वर्षीय बाबूजी बिल्कुल स्वस्थ हैं।

युवक के साथ मारपीट

बीएनएम@ जमुई/झाझा। शनिवार की रात्रि में झाझा रेलवे स्टेशन रोड स्थित डाकघर के समीप एक युवक पर बाइक चालक ने हमला कर घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान सिकरडीह गांव निवासी युवराज यादव के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार युवराज पैदल जा रहा था, तभी सामने से आ रही एक बाइक अचानक उसकी ओर बढ़ी। युवराज ने बाइक चालक को सही दिशा में चलाने की बात कही, जिससे चालक नाराज़ हो गया। इसके बाद उसने युवराज के साथ मारपीट की और लोहे के रॉड से हमला कर उसका हाथ तोड़ दिया। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल को झाझा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। घायल युवक ने थाना में भी घटना की जानकारी देने की बात बताया।

उप महापौर ने काटा बवाल

बीएनएम@ बेतियाः नगर निगम की सामान्य बोर्ड की बैठक में उप महापौर गायत्री देवी व अन्य कई पार्षदों ने महापौर पर मनमानी करने का आरोप लगाया और बैठक में जमकर हंगामा किया, इसकी जनाकारी देते हुए उप महापौर ने बताया मेरे द्वारा दिये गए कई विकास योजनाओं समेत वार्ड 43 की विकास योजना यथा अवरैया टोला में छठघाट और गुलरिया माई स्थान के समीप शमशान घाट ,जिसे वहां के सैकड़ों ग्रामीणों द्वारा उप पत्र के माध्यम उप महापौर से मांग की गई थी । जिसकी प्रति मैंने नगर आयुक्त और महापौर को भी दिया था और इस जरूरी योजना को लेने हेतु आग्रह किया था। ऐसे महत्वपूर्ण कार्य को योजना में शामिल नही करना मेयर की दादागिरी को दर्शाता है ,उनके द्वारा बार बार मेरे द्वारा दिये गए विकास योजनाओं को सिरे से ख़ारिज कर दिया जाता है ,जबकि मैं भी निर्वाचित महिला जनप्रतिनिधि हूँ । मनमानी का आलम ये है की जिस योजनाओं की चर्चा तक बैठक में नही होती है वो भी मनमाने तरीके से कार्यवाही पुस्तिका (प्रोसिडिंग फाइल) को अपने घर पर अवैध ढंग से मंगवाकर उसमें चढ़ा दिया जाता है जबकि कई पार्षदों द्वारा दिये गए जरूरी विकास योजनाओं को केवल इसलिए ख़ारिज कर दिया जाता है की वो पार्षद इनके चहेते नही है । उप महापौर गायत्री देवी ने आगे बताया की प्रोसिडिंग फाइल मेयर के घर पर अवैध तरीके से लिखने की शिकायत उनके द्वारा नगर विकास एवम आवास विभाग व माननीय मंत्री जीवेश मिश्रा से किया है , जिसके आलोक में विभाग से जिलाधिकारी महोदय को इस गंभीर विषय की जांच करने हेतु पत्र आया है । अगर मेयर और उनके पति की की मनमानी इसी प्रकार से जारी रही तो मुझे इनलोगो के खिलाफ धरने पर बैठना पड़ेगा ।

सीमांचल में गूंजा वोटर अधिकार यात्रा का नारा "वोट चोर गद्दी छोड़ो

निजीकरण और अग्निवीर योजना ने दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों से रोजगार के अवसर छीन लिए हैं : राहुल गाँधी

राहुल-तेजस्वी मोटरसाइकिल पर सवार होकर पहुंचे जनता के बीच

बीएनएम@ पटना

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के खिलाफ महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा का कारवां लगातार आगे बढ़ रहा है। रविवार को यात्रा के आठवें दिन कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी व राजद नेता तेजस्वी यादव ने सीमांचल की धरती पर जोश से हुंकार भरी। दोनों नेता मोटरसाइकिल पर सवार होकर कटिहार से पूर्णिया पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में समर्थकों और स्थानीय जनता ने उनका स्वागत किया। इस दौरान पूर्णिया सांसद पप्पू यादव भी यात्रा में शामिल रहे और भीड़ के साथ नारेबाजी होती रही – "वोट चोर गद्दी छोड़ो"।शनिवार देर रात राहुल गांधी पूर्णिया जिले के गौरा मोड़ पहुंचे, जहां उनके साथ तेजस्वी यादव, वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी और भाकपा महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य मौजूद थे। महागठबंधन नेताओं का स्वागत कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से किया और सभी नेताओं ने टेंट सिटी में रात्रि विश्राम किया। रविवार सुबह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने गौरा पंचायत से खुली जीप में यात्रा की शुरुआत की। उनका काफिला बेलौरी, खुश्कीबाग, पंचमुखी मंदिर होते हुए रामबाग तक पदयात्रा करता हुआ आगे बढ़ा। पूर्णिया शहर और कसबा क्षेत्र को पार करने के बाद यात्रा अररिया की ओर रवाना होगी। इस दौरान यात्रा करीब 30 किलोमीटर का सफर तय करेगी।कटिहार में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि निजीकरण और अग्निवीर योजना ने दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों से रोजगार और सेना में करियर के अवसर छीन लिए हैं। छोटे उद्यमियों के लिए कारोबार शुरू करना मुश्किल हो गया है, जबकि बड़े उद्योगपति अरबों का कर्ज लेकर माफ करा लेते हैं। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस पर भी संविधान से मिले अधिकार छीनने का आरोप लगाया।महागठबंधन की यह यात्रा सीमांचल में माहौल गर्माने के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनाव की जमीन भी तैयार करती दिख रही है। भारी भीड़ और नारों के बीच यात्रा का असर साफ झलक रहा है कि इस बार सत्ता के खिलाफ लोगों की आवाज पहले से ज्यादा मुखर हो चुकी है।

चुनाव आयुक्त और भाजपा के बीच सांठगांठः राहुल

» चुनाव आयोग अब गोदी आयोग बन चुका है : तेजस्वी

बीएनएम@ पटना/अररिया

तेजस्वी यादव व राहुल गांधी

बिहार की राजनीति में 'वोटर अधिकार यात्रा' लगातार गरमाहट पैदा कर रही है। रविवार को अररिया में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग, चुनाव आयुक्त और भाजपा के बीच खुली सांठगांठ है, जिससे लोकतंत्र और मताधिकार की विश्वसनीयता पर गहरा संकट खड़ा हो गया है।राहुल ने दावा किया कि एक लाख फर्जी मतदाताओं के मामले पर अब तक कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा, "जब मैंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो मुझसे हलफनामा मांगा गया, लेकिन भाजपा नेताओं से कभी ऐसा नहीं पूछा गया। यह दिखाता है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष संस्था न रहकर भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है।" राहुल ने चेतावनी दी कि बिहार में "चुनाव चोरी" नहीं होने दी जाएगी और कहा कि जनता अब भाजपा की साजिशों को समझ रही है।इस मौके पर राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी चुनाव आयोग को कटघरे में खड़ा किया। तेजस्वी ने तंज कसा कि "चुनाव आयोग अब गोदी आयोग बन चुका है, जो भाजपा के सेल की तरह काम करता है।" उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चुनाव आयुक्तों को बचाने के लिए संसद में कानून तक पारित करवा दिया और पीएमएलए एक्ट का दुरुपयोग कर विपक्षी नेताओं को फंसाया जा रहा है।तेजस्वी ने कहा कि शिकायत और वोट जोड़ने की प्रक्रिया आज भी बेहद जटिल है और भाजपा इसका फायदा उठा रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता भाजपा को इसके लिए सबक सिखाएगी।

वोटर अधिकार यात्रा : पूर्णिया में राहुल गांधी के पास पहुंचा युवक, 'किस' करने की कोशिश

बीएनएम@ पूर्णिया

बिहार के पूर्णिया में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के दौरान सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि जब राहुल गांधी बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार होकर यात्रा कर रहे थे, उसी दौरान लाल कपड़े पहना एक युवक अचानक पास आ गया और उन्हें चूमने की कोशिश की।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह घटना पूर्णिया के लाइन बाजार इलाके की है। अचानक हुई इस हरकत से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहुल गांधी के चारों ओर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए युवक को पकड़ लिया और वहां से हटा दिया।कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया, लेकिन राहुल गांधी ने यात्रा को बीच में रोके बिना आगे बढ़ाया। हालांकि, इस घटना ने उनकी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषकर तब, जब राहुल गांधी लगातार भीड़ के बीच आम जनता से नजदीकी संपर्क बनाने की कोशिश कर रहे हैं।इस घटना पर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे राहुल गांधी के प्रति समर्थकों का उत्साह और स्नेह बता रहे हैं, वहीं सुरक्षा विशेषज्ञ इसे एसपीजी और स्थानीय पुलिस की लापरवाही मान रहे हैं। उनका कहना है कि इतनी नजदीकी पर किसी अजनबी का पहुंच जाना सुरक्षा प्रोटोकॉल की बड़ी विफलता है।फिलहाल, युवक से पूछताछ की जा रही है और स्थानीय प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। कांग्रेस नेताओं ने इसे राहुल गांधी के प्रति जनता के जज्बाती जुड़ाव से जोड़ा है, जबकि राजनीतिक हलकों में इसे सुरक्षा एजेंसियों की तैयारी पर गंभीर सवालों के रूप में देखा जा रहा है।इस घटना ने एक बार फिर साफ कर दिया है कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में नेताओं की सुरक्षा व्यवस्था कितनी चुनौतीपूर्ण है, खासकर तब जब वे जनता से सीधे संवाद की राजनीति कर रहे हों।

संत घाट मुक्तिधाम का नव निर्माण से नगर निगम के हजारों परिवारों की बढ़ेगी सुविधाः गरिमा

34.63 लाख से होने वाले जीर्णोद्धार के भूमि पूजन समारोह में दर्जन भर नगर पार्षद रहे शामिल

बीएनएम@ बेतिया

बेतिया भूमि पूजन करते महापौर

संत घाट के मुक्तिधाम का नगर निगम द्वारा 34.63 लाख से होने वाले जीर्णोद्धार का भूमिपूजन महापौर गरिमा देवी सिकारिया द्वारा रविवार को किया गया। मुक्तिधाम जीर्णोद्धार समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के आधे से अधिक परिवार के मृतकों का अंतिम संस्कार संत घाट के मुक्तिधाम में किया जाता रहा है। इस मुक्तिधाम संचालन समिति के विशेष अनुरोध पर हमने वर्षों से बदहाल इस सार्वजनिक उपयोग के महत्वपूर्ण स्थल का नव निर्माण के तर्ज पर जीर्णोद्धार की पहल की है। नगर निगम बोर्ड के हमारे साथियों के बहुमूल्य सहयोग आज हमको एक भव्य समारोह में भूमि पूजन का सौभाग्य मिला है। श्रीमती सिकारिया ने बताया कि मृतक जन को उनके अंतिम संस्कार में सम्मान और उनके परिजनों को सभी प्रकार की सुविधा के साथ मुक्तिधाम को सुविधा संपन्न बनाना हमारा ध्येय रहा है। इसको लेकर मुक्तिधाम के पहुंच पथ का निर्माण जहां तक बना है उसके बाद 120 फीट लंबाई एवं 12 फीट चौड़ाई में पीसीसी सड़क, मेन रोड से 76 फीट लंबा एवं 10 फीट चौड़ा पीसीसी रैंप, रैंप के बाद शेड के बगल तक मिटटी भराई करके 205 फीट लंबाई एवं 12 फीट चौड़ाई में पेवर ब्लॉक लगाते हुए दोनों तरफ सपोर्टिंग वॉल का निर्माण कराया जाएगा। वही रोड से उतरने वाली सभी सीढ़ियों में चेकर टाईल्स, साढ़े तीस बाय 18 के दो एवं साढे 30 बाई 19 के तीन नये शेड, पूर्व से लगे सभी स्टैंड की मरम्मती, विश्रामालय की पूर्ण रिपेयरिंग एवं पेंटिंग भी होगी। भूमि पूजन में निगम पार्षद दीपक कुमार, इंद्रजीत यादव के साथ अरुण कुमार, इश्तेयाक अहमद, अनुराग बरनवाल, सुरेश सिंघानिया, राजा सिंघानिया, उदय कुमार बिहारी लालजी, अधिवक्ता राजेश कुमार इत्यादि की सहभागिता रही।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बीएनएम@ बगहा

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन कुशीनगर व मेदांता हॉस्पिटल लखनऊ के द्वारा उदित नारायण इंटर कॉलेज के सभागार में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया ।जिसका उद्घाटन विधायक कुशीनगर पी एन पाठक, राज्य मंत्री दर्जा राजेश्वर सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष पडरौना विनय जायसवाल पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर व मां सरस्वती का पूजन कर किया। मेदांता के चिकित्सक डॉ अमित कुमार ,मार्केटिंग मैनेजर अमित वर्मा , टेक्निकल टीम ऋषभ पांडेय,जतिन पाल ,सीमा गौरव ,मनीष की टीम ने लोगों व पत्रकारों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा निशुल्क जांच किया । जांच के दौरान हड्डी ,शुगर ,फेफड़े की जांच की गई । अतिथियों ने कहा कि नि :शुल्क साथ शिविर का आयोजन करना पुनीत कार्य है ऐसे आयोजनों के लिए बहुत-बहुत बधाई।ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष शैलेश कुमार उपाध्याय ने आगंतुग सभी अतिथियों चिकित्सकों का स्वागत किया।ग्रा प ए के प्रदेश उपाध्यक्ष ओमप्रकाश द्विवेदी ने आयोजन की सराहना किया। इस दौरान प्राचार्य यूएनपीजी प्रो ममता मणि त्रिपाठी , यूएनआईसी अरविंद सिंह ,डॉक्टर सुनीता पांडेय, मीनू जिंदल, पप्पू पांडेय, दीप नारायण अग्रवाल ,संजय मरोडिया, ग्रा प ए पदाधिकारी अमरनाथ पांडेय,सुरेंद्र राय महेंद्र पांडेय,फ़रेंद्र पांडेय ,राजकुमार चौबे हरिशंकर चौबे ,पारसनाथ पांडेय, प्रभुनाथ गुप्ता, नर्मदा सिंह, सतीश चंद दुबे सत्येंद्र पांडे ,मुकेश नाथ तिवारी ,मनोज मिश्रा ,दुर्गा दयाल तिवारी ,संगम पांडेय,आदित्य गुप्ता, अंजनी सिंह शिक्षक विशाल राव ,अजय सिंह, चंद्रशेखर दिक्षित , राजीव यादव,महेश यादव ,राजीव गुप्ता श्री प्रकाश तिवारी ,हरिओम तिवारी ,कृष्णानंद प्रसाद खरवार, के एम मिश्रा, ओम प्रकाश पांडेय ,अशोक शुक्ला ,आर के भट्ट,विश्व रंजन आनंद ,विवेकानंद शुक्ला सहित तमाम पत्रकार उपस्थित थे ।

श्रावणी महोत्सवः इंडियन आइडल फेम सौम्या मिश्रा शाहीडीह में देंगी प्रस्तुति

बीएनएम@ सहरसा

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार तथा जिला प्रशासन सहरसा के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 1 सितम्बर 2025 को बाबा राज-राजेश्वर स्थान, शाहीडीह में श्रावणी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। बड़गांवपट्टी वार्ड नंबर-14 स्थित राज-राजेश्वर मंदिर प्रांगण में होने वाले इस आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं।इसी कड़ी में मंदिर परिसर में जिला प्रशासन एवं मंदिर समिति की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक में महोत्सव को सफल व यादगार बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सबसे बड़ा निर्णय सांस्कृतिक संध्या को लेकर रहा। समिति ने इस बार महोत्सव में इंडियन आइडल फेम सौम्या मिश्रा को आमंत्रित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति मिली।जिला कला संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा झा ने बताया कि श्रावणी महोत्सव में सौम्या मिश्रा की प्रस्तुति मुख्य आकर्षण होगी। इसके साथ ही जिले के स्थानीय कलाकारों को भी मंच प्रदान किया जाएगा। उनका मानना है कि स्थानीय प्रतिभाओं की भागीदारी से यह आयोजन और भी जीवंत व आकर्षक बनेगा।बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, विधि-व्यवस्था और कार्यक्रम प्रबंधन पर भी विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर अंचल अधिकारी नवहट्टा, थाना अध्यक्ष नवहट्टा सहित मंदिर समिति के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।श्रावणी महोत्सव को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह है और सभी को बेसब्री से 1 सितम्बर का इंतजार है, जब शाहीडीह का राज-राजेश्वर धाम भक्ति, संस्कृति और सुरों की गूंज से सराबोर होगा।

हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में 90 प्रतिशत शब्द उर्दू होते है : उप विकास आयुक्त

ज़िला स्तरीय फ़रोग़-ए-उर्दू सेमिनार, मुशायरा एवं कार्यशाला का भव्य आयोजन

बीएनएम@ सहरसा

सहरसा दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग, उर्दू निदेशालय, बिहार, पटना के निदेशानुसार ज़िला प्रशासन (ज़िला उर्दू भाषा कोषांग) सहरसा की ओर से प्रेक्षागृह, सहरसा में ज़िला स्तरीय फ़रोग़-ए-उर्दू सेमिनार, मुशायरा एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम साहित्य, संस्कृति और भाषा प्रेमियों के लिए ऐतिहासिक अवसर साबित हुआ।कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त संजय कुमार निराला, नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा, अपर समाहर्ता निशांत कुमार, प्रभारी पदाधिकारी मुराद अली तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्षीय भाषण में उप विकास आयुक्त ने उर्दू भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में 90 प्रतिशत शब्द उर्दू के होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार उर्दू भाषा के संवर्द्धन के प्रति गंभीर है और इसी उद्देश्य से बड़ी संख्या में उर्दू अनुवादकों की नियुक्ति की गई है।नगर आयुक्त प्रभात कुमार झा ने कहा कि उर्दू हमारी ज़ुबान में उतनी ही घुली-मिली है जितनी हिंदी। उन्होंने बताया कि बिहार ने 1981 में उर्दू को दूसरी सरकारी भाषा का दर्जा देकर ऐतिहासिक पहल की थी। अपर समाहर्ता निशांत कुमार ने उर्दू भाषा को विभिन्न प्रांतों को जोड़ने वाली कड़ी बताया और लोगों से इसके प्रति जागरूक होने का आग्रह किया।कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा) शालिनी जागृति ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्होंने उर्दू सीखने का प्रयास किया है और यह भाषा उन्हें बेहद प्रिय है। स्वागत भाषण प्रभारी पदाधिकारी मुराद अली ने दिया। उन्होंने कहा कि उर्दू कोई विदेशी भाषा नहीं, बल्कि भारत की ज़मीन पर जन्मी और पली-बढ़ी भाषा है।इसके अलावा मंच पर डॉ. अबुल कलाम, मुफ्ती ज़िल्लुर्रहमान, प्रोफेसर मोहम्मद ताहिर, डॉ. कौकब सुल्ताना, मुहीउद्दीन राईन, आज़म वारिसी और मुफ्ती जाफ़र इमाम सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार रखे।कार्यक्रम का आकर्षण मुशायरा रहा, जिसमें देश के नामचीन शायरों ने अपनी ग़ज़लों और शेर-ओ-शायरी से समां बांध दिया। मशहूर शायर शंकर कैमूरी ने अपने अंदाज़-ए-बयां से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके साथ अराधना प्रसाद, मोहम्मद ज़ाहिद वफ़ा, अनवर कमाल, तबरेज़ हाशमी, रुबीना अयाज़, मुरतज़ा नरियारवी, अक़मल बलरामपुरी, चोंच गयावी, अहमद सिद्दीकी और मोहम्मद साबिर जैसे शायरों ने भी अपनी रचनाओं से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।सेमिनार सत्र का संचालन मो० आफ़ताब आलम ने किया, जबकि मुशायरे का संचालन श्री शंकर कैमूरी ने किया। इस आयोजन की सफलता में मो० तजम्मुल हक़ और उर्दू भाषा कोषांग के अन्य कर्मियों की भूमिका सराहनीय रही।

जेल गए नेताओं का इस्तीफा अनिवार्य हो : सम्राट चौधरी

» उपमुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर कसा तंज

बीएनएम@ पटना

सम्राट चौधरी

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को स्टार्टअप समिट 2025 का उद्घाटन किया। इस मौके पर एक पुस्तक का विमोचन भी हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी विकास वैभव विशेष रूप से मौजूद रहे।समिट के बाद मीडिया से बातचीत में सम्राट चौधरी ने विपक्षी नेताओं पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वह प्रधानमंत्री से अपील कर रहे हैं कि "यदि कोई व्यक्ति एक मिनट के लिए भी जेल गया हो तो उसका तत्काल इस्तीफा लिया जाना चाहिए।" चौधरी ने तर्क दिया कि ऐसे लोग सार्वजनिक जीवन में बने रहने का नैतिक अधिकार खो देते हैं।राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उपमुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू के बयान का समर्थन किया। उन्होंने कहा, "रिजिजू जी ने बिल्कुल सही कहा है। ये लोग राष्ट्रद्रोही हैं और राष्ट्र को तोड़ने का काम कर रहे हैं। राजनीति में आने वालों का मकसद देश को बनाना होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस और उसके नेता लगातार देश की एकता को कमजोर करने की साजिश रच रहे हैं।"कार्यक्रम में सम्राट चौधरी ने स्टार्टअप को युवाओं के भविष्य से जोड़ा और कहा कि बिहार में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार नई योजनाएं ला रही है।

लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच खिचीं सियासी तलवारें

चुनाव नतीजों को सहज स्वीकार करना चुनावी लोकतंत्र के टिकाऊ होने की बुनियादी शर्त है। इसी से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण संभव होता है। इन स्थितियों के अभाव में अनगिनत देशों को राजनीतिक अशांति और उथल-पुथल से गुजरना पड़ा है। मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता का है, लेकिन इस प्रश्न ने निर्वाचन आयोग और विपक्षी दलों के बीच सियासी जंग का रूप ले लिया है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, जिसका एक आक्रामक रूप रविवार को देखने को मिला, जब एकतरफ बिहार में सासाराम से महागठबंधन ने आयोग को निशाने पर रखते हुए वोटर अधिकार यात्रा शुरू की, वहीं निर्वाचन आयोग ने नई दिल्ली में प्रेस कांफ्रेंस कर विपक्ष को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग पर भारतीय जनता पार्टी से मिलीभगत का इल्जाम लगाया, तो मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह अजीब चुनौती पेश कर दी कि मतदाता सूचियों में हेरफेर संबंधी अपने आरोपों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हफ्ते भर के अंदर आयोग के सामने हलफनामा नहीं दिया, तो उनके सारे इल्जाम गलत माने जाएंगे। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच सियासी तलवारें खिचें, यह स्वाभाविक घटनाक्रम है। लेकिन किसी एक राजनीतिक पक्ष के निशाने पर कोई संवैधानिक संस्था आ जाए, तो उसे व्यवस्था के गहराते संकट के रूप में ही देखा जाएगा। अब सूरत यह है कि विपक्ष और उसके समर्थकों की निगाह में हर वैसे चुनाव का नतीजा संदिग्ध होगा, जिसमें वे विजयी ना हुए हों। उस स्थिति में उनका यही दावा होगा कि "चुनाव को चुरा लिया गया। दूसरी तरफ निर्वाचन आयोग ऐसे आरोप को ठुकरा देगा और केंद्र में सत्ताधारी पार्टी उसके बचाव में आ खड़ी होगी। धीरे-धीरे यह रुझान भारतीय लोकतंत्र की साख को क्षीण करता जाएगा। चुनाव नतीजों को सहज स्वीकार करना चुनावी लोकतंत्र के टिकाऊ होने की बुनियादी शर्त है। इसी से सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण संभव होता है। इन स्थितियों के अभाव में अनगिनत देशों को राजनीतिक अशांति और उथल-पुथल से गुजरना पड़ा है।

अमेरिका के कार्यकारी आदेश की सीधी प्रतिक्रिया है डाक विभाग का निर्णय

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और अमेरिका के बीच आर्थिक संबंध हमेशा से वैश्विक व्यापार जगत का केंद्र बिंदु रहे हैं। दोनों देशों के बीच गहरा व बहुआयामी व्यापारिक संबंध है, जिसमें आईटी सेवाओं से लेकर औषधियां, आभूषण, वस्त्र, ऑटो पार्ट्स और ई-कॉमर्स उत्पाद तक शामिल हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है और भारत अमेरिका का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार। किंतु यह भी सत्य है कि समय-समय पर दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव, टैरिफ विवाद और संरक्षणवादी नीतियों को लेकर टकराव होते रहे हैं। यही सृथति एक बार फिर से सामने दिखाई देती है, जिसमें कि डाक विभाग की सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। वस्तुतः अमेरिका द्वारा अंतरराष्ट्रीय डाक वस्तुओं पर शुल्क-मुक्त न्यूनतम सीमा को समाप्त कर दिया गया और भारत को मजबूर होकर अमेरिका जाने वाली डाक वस्तुओं की बुकिंग अस्थायी रूप से रोकनी पड़ी है। देखा जाए तो भारत का यह कदम अमेरिका के उस कार्यकारी आदेश की सीधी प्रतिक्रिया है, जो 30 जुलाई 2025 को जारी किया गया था। इस आदेश के अनुसार 29 अगस्त 2025 से अमेरिका में 800 डॉलर तक के मूल्य की वस्तुओं पर लागू "शुल्क-मुक्त न्यूनतम छूट" को समाप्त कर दिया गया। पहले तक की व्यवस्था में 800 डॉलर तक का सामान अमेरिका बिना किसी शुल्क या सीमा शुल्क औपचारिकताओं के प्रवेश कर सकता था, जिससे अंतरराष्ट्रीय डाक सेवाओं और ई-कॉमर्स कारोबारियों को बड़ी राहत मिलती थी। छोटे और मध्यम उद्यम, विशेषकर भारत जैसे देशों के निर्यातक, इसी व्यवस्था का लाभ उठाकर अमेरिकी उपभोक्ताओं तक आसानी से अपने उत्पाद पहुँचाते थे। किंतु जब अमेरिका ने इस छूट को समाप्त कर दिया तो परिणामस्वरूप हर डाक वस्तु सीमा शुल्क और टैरिफ के अधीन हो गई। यह स्थिति न केवल आयातकों और निर्यातकों के लिए कठिनाई पूर्ण थी बल्कि परिचालन स्तर पर एयरलाइन कंपनियों और डाक विभागों के लिए भी चुनौतीपूर्ण बन गई। अमेरिका की सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा एजेंसी (सीबीपी) ने 15 अगस्त 2025 को कुछ दिशा-निर्देश तो जारी किए लेकिन शुल्क वसूली की वास्तविक प्रक्रिया, "योग्य पक्षों" की पहचान और परिचालन व्यवस्था को लेकर स्थिति धुंधली बनी रही। यही कारण रहा कि अमेरिका जाने वाली एयरलाइन कंपनियों ने तकनीकी और परिचालन तैयारी की कमी का हवाला देते हुए 25 अगस्त के बाद से डाक खेप स्वीकार करने से असमर्थता व्यक्त की। भारत के डाक विभाग के सामने इस परिस्थिति में कोई विकल्प शेष नहीं था। यदि वह अमेरिका जाने वाली डाक वस्तुओं की बुकिंग जारी रखता तो ग्राहकों का सामान न अमेरिका पहुँच पाता और न ही उन्हें समय पर शुल्क वसूली और डिलीवरी की स्पष्टता मिलती। इससे व्यापक अव्यवस्था उत्पन्न होती और ग्राहकों को भारी नुकसान झेलना पड़ता। परिणामस्वरूप भारत ने एक विवेकपूर्ण और व्यावहारिक कदम उठाते हुए 25 अगस्त 2025 से अमेरिका के लिए सभी प्रकार की डाक वस्तुओं की बुकिंग अस्थायी रूप से निलंबित कर दी। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि भारत ने पूरी तरह से डाक को नहीं रोका। 100 डॉलर तक के मूल्य वाले पत्र, दस्तावेज़ और उपहार इस निलंबन से बाहर रखे गए ताकि आम जनता को न्यूनतम असुविधा हो और आवश्यक व्यक्तिगत संचार जारी रह सके। भारत ने अपने बयान में यह भी स्पष्ट किया कि यह निलंबन अस्थायी है और जैसे ही स्थिति स्पष्ट होगी और अमेरिका की ओर से प्रक्रियात्मक ढांचा सामने आएगा, सेवाओं को सामान्य करने का प्रयास किया जाएगा। इस दृष्टिकोण से स्पष्ट है कि भारत का कदम आक्रामकता से प्रेरित नहीं बल्कि मजबूरी में लिया गया एक संतुलित निर्णय था। यदि अमेरिका ने शुल्क-मुक्त छूट को वापस न लिया होता

तो भारत को इस तरह का कदम उठाने की कोई आवश्यकता ही नहीं पड़ती। इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए अमेरिका के निर्णय की पृष्ठभूमि को जानना भी आवश्यक है। अमेरिका लंबे समय से यह तर्क देता आ रहा है कि डेमिनिमिस नियम का दुरुपयोग हो रहा है। विदेशी कंपनियां छोटे-छोटे पार्सलों के माध्यम से बड़ी मात्रा में सामान भेजती हैं और शुल्क से बच जाती हैं, जिससे अमेरिकी घरेलू उद्योग को नुकसान होता है। विशेष रूप से चीन जैसे देशों से यह एक बड़ा साधन बन गया था। किंतु जब अमेरिका ने इस नियम को समाप्त किया तो इसका असर केवल चीन पर ही नहीं बल्कि भारत जैसे देशों पर भी पड़ा, जिनके छोटे उद्यम और निर्यातक अमेरिकी बाजार पर निर्भर रहते हैं। भारत के लिए यह फैसला बेहद संवेदनशील है क्योंकि अमेरिका उसका सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है। ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म के जरिए लाखों भारतीय उद्यमी अमेरिकी उपभोक्ताओं तक अपने उत्पाद पहुँचाते हैं। हस्तशिल्प, आभूषण, परिधान, औषधियां और आईटी उपकरण जैसी वस्तुएं डाक नेटवर्क के जरिए बड़ी मात्रा में अमेरिका भेजी जाती हैं। नए नियमों के लागू होते ही ये सभी वस्तुएं शुल्क के अधीन हो जाएंगी और उनकी लागत अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए बढ़ जाएगी। इससे भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित होगी और व्यापारिक नुकसान होगा। डाक विभाग ने ग्राहकों के हितों का ध्यान रखते हुए यह भी घोषणा की कि जो ग्राहक पहले से अमेरिका के लिए बुकिंग करा चुके हैं, उन्हें डाक शुल्क वापस किया जाएगा। विभाग ने इस असुविधा पर खेद व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द सेवाएं पुनः प्रारंभ करने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। यह भी दर्शाता है कि भारत ग्राहकों और व्यवसायियों की चिंताओं को गंभीरता से ले रहा है और केवल परिस्थितिजन्य दबाव के चलते ही ऐसा कदम उठाया गया। विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद अस्थायी है लेकिन इसके दूरगामी प्रभाव हो सकते हैं। यदि अमेरिका शुल्क वसूली की प्रक्रिया और योग्य पक्षों की पहचान स्पष्ट नहीं करता तो अंतरराष्ट्रीय डाक नेटवर्क बाधित रहेगा। यह स्थिति अंततः विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) तक भी जा सकती है क्योंकि यह मुक्त व्यापार और समान अवसर के सिद्धांतों के विपरीत है। विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि अमेरिका का यह कदम संरक्षणवादी नीतियों का हिस्सा है, जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को असंतुलित कर सकता है। भारतीय निर्यातकों और उपभोक्ताओं के लिए यह स्थिति कठिनाई पूर्ण है। छोटे और मध्यम उद्यम, जो अमेरिकी ग्राहकों पर निर्भर हैं, उन्हें अब अतिरिक्त शुल्क का बोझ उठाना होगा। वहीं अमेरिकी उपभोक्ताओं को भारतीय वस्तुएं महंगी मिलेंगी। इस तरह देखा जाए तो नुकसान दोनों ओर का है। इन परिस्थितियों में यह स्पष्ट रूप से स्थापित होता है कि भारत ने जो निर्णय लिया वह अमेरिका की नीतिगत पहल का प्रत्यक्ष परिणाम था। भारत ने न तो स्वेच्छा से और न ही किसी संरक्षणवादी कारण से यह कदम उठाया, बल्कि केवल ग्राहकों और निर्यातकों के हितों की रक्षा हेतु और अव्यवस्था से बचने के लिए यह अस्थायी रोक लगानी पड़ी। यदि अमेरिका द्वारा शुल्क-मुक्त सीमा वापस न ली जाती तो भारत को इस प्रकार का निर्णय लेने की कोई आवश्यकता नहीं थी। आगे की राह संवाद और सहयोग से ही निकल सकती है। दोनों देश गहरे व्यापारिक साझेदार हैं और एक-दूसरे की अर्थव्यवस्था पर निर्भर हैं। भारत के लिए अमेरिका एक प्रमुख निर्यात गंतव्य है और अमेरिका के लिए भारत एक बड़ा बाजार। ऐसे में दोनों देशों के लिए यह आवश्यक है कि वे आपसी बातचीत के माध्यम से इस समस्या का समाधान निकालें और व्यापारिक संबंधों को प्रभावित न होने दें। वस्तुतः इन परिस्थितियों में यही कहा जा सकता है कि भारत का यह कदम एक विवश प्रतिक्रिया है। यह अमेरिका की नई टैरिफ नीति का प्रत्यक्ष नतीजा है। भारत को इस प्रकार के निर्णय की कोई स्वाभाविक आवश्यकता नहीं थी और उसने केवल परिस्थितियों के दबाव में ऐसा किया। अब उम्मीद यही है कि दोनों देश संवाद के जरिए इस विवाद का समाधान करेंगे ताकि वैश्विक व्यापार और दोनों देशों के उपभोक्ता-निर्यातक इस खींचतान की कीमत न चुकाएँ।

विपक्ष की हार उसकी अपनी कमियों के कारण

अजीत द्विवेदी

पहले एक चुटकुले से शुरुआत करते हैं, फिर महान लेखक कृश्नचंदर की किताब 'एक गधे की आत्मकथा का एक संदर्भ और तब राहुल गांधी और विपक्ष की ओर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ चलाए जा रहे आंदोलन की चर्चा करेंगे। चुटकुला ऐसे हैः एक व्यक्ति वोट डालने जाता है। वोट डाल कर मतदान करा रहे अधिकारी से पूछता है- देखना मेरी पत्नी आशा देवी वोट डाल कर चली गई? महिला अधिकारी सूची देख कर कहती है- हां, एक घंटे पहले ही वोट डाल कर चली गईं। व्यक्ति आह भरते हुए कहता है- इसका मतलब है कि एक घंटे पहले आते तो भेंट हो जाती। अधिकारी हंसती है और पूछती है- मजाक कर रहे हैं, क्या घर में आप लोगों की भेंट नहीं होती है? व्यक्ति कहता है- मेरी पत्नी को मरे हुए 15 साल हो गए लेकिन हर बार हमसे एक घंटा पहले आकर वोट डाल जाती है! यह एक व्यंग्य है, जो हम लोग कई दशकों से सुन और सुना रहे हैं। इसका मतलब है कि मतदाता सूची में मृत लोगों के नाम होते हैं और उनका वोट कोई और डालता है। यह प्रक्रिया आजादी के बाद से ही चल रही है। भारत की चुनाव व्यवस्था पर तंज करने वाला यह व्यंग्य इसलिए याद आया क्योंकि पिछले दिनों राहुल गांधी बिहार के कुछ ऐसे लोगों से मिले, जिन्हें मृत बता कर उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया में लिखा, मृत व्यक्तियों के साथ चाय पीकर बहुत मजा आया। सवाल है कि जब मृत व्यक्ति वोट डाल सकता है तो जीवित व्यक्ति को मृत बता कर उसका नाम काट देना कौन सी बड़ी बात है? उनको कुछ समय पहले बनी 'कागज फिल्म देखनी चाहिए। सतीश कौशिक निर्देशित और पंकज त्रिपाठी के बेहतरीन अभिनय वाली इस फिल्म में एक मृत घोषित कर दिया गया व्यक्ति अपने को जीवित साबित करने के लिए संघर्ष करता है। यह कहानी जिस घटना पर आधारित है वह दशकों पुरानी, तब देश में कांग्रेस का ही शासन होता था। देश के कई राज्यों में शासन की व्यवस्था जीवित लोगों को मृत घोषित कर देती है और उसके बाद वे अपने को जीवित साबित करने के लिए बरसों संघर्ष करते हैं। लगता है इस तरह की कहानियां भी राहुल गांधी ने नहीं सुनी हैं। तभी वे ऐसे लोगों से मिल कर आश्चर्यचकित हो रहे थे, जिनको मृत बता कर मतदाता सूची से हटा दिया गया है। उनका आश्चर्य ऐसे बच्चे की तरह है, जिसको अभी आंखों की रोशनी मिली हो और वह ट्रेन देख कर विस्मित हो रहा हो! बहरहाल, महान लेखक कृश्नचंदर की चर्चित किताब है 'एक गधे की आत्मकथा। इसमें गधा पंडित जवाहरलाल नेहरू से भी मिलता है। उससे पहले वह उनकी सरकार के कुछ और मंत्रियों से भी मिलता है। उससे पहले उसकी मुलाकात दिल्ली के एक इलाके के थानेदार से होती है। थानेदार इस पर आश्चर्यचकित होता है कि गधा इंसानों की तरह बोल रहा है। वह कहता है कि उसने बहुत सारे इंसानों को तो गधों की तरह बोलते सुना है लेकिन पहली बार किसी गधे को इंसानों की तरह बोलते सुन रहा है। कहने का मतलब है कि गधा आदमी की तरह बोले तो आश्चर्य होता है लेकिन आदमी गधों की तरह बोलें, को कोई फर्क नहीं पड़ता है। राहुल गांधी का आश्चर्य उसी तरह का है। यानी मृत लोग जीवित लोगों की तरह मतदान करें तो कोई आश्चर्य की बात नहीं है लेकिन जीवित लोगों को मृत बता कर वोट काट दिया जाए तो वह बड़े आश्चर्य की बात है! राहुल गांधी से लेकर योगेंद्र यादव और सुप्रीम कोर्ट के माननीय जज इस बात पर ऐसे हैरान हो रहे थे, जैसे यह कोई अनहोनी बात हो। असल में यह कोई अनहोनी बात नहीं है। मतदाता सूची में ऐसी खामियां होती हैं और यह व्यवस्था की वजह से होती है। चुनाव आयुक्त इसके लिए खासतौर से निर्देश नहीं जारी करते हैं। वैसे ही जैसे कई राज्यों में जीवित लोगों के नाम पेंशन की सूची से कट जाता है और वे भागदौड़ करते रहते हैं अपने को जीवित साबित करने के लिए। इसके लिए भी कहीं ऊपर से निर्देश नहीं आता है। सोचें, कोई 15 साल पहले जब आधार कार्ड बनना शुरू हुआ था तो बिहार में शाहरूख खान और सलमान खान के भी आधार कार्ड बन गए। क्या यूआईडीएआई के तत्कालीन प्रमुख नंदन नीलेकणी ने इसके लिए निर्देश दिए होंगे! एक समय बिहार में अभिनेत्री ममता कुलकर्णी का वोटर कार्ड भी बन गया था तो क्या तत्कालीन चुनाव आयुक्त ने इसके लिए निर्देश भेजा होगा? ऐसे ही बिहार में लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण का ड्राइविंग लाइसेंस बन गया था। तो क्या बिहार के परिवहन मंत्री या परिवहन सचिव ने नीचे आदेश देकर प्रभाकरण का लाइसेंस बनवाया? असल में यह व्यवस्था की खामी है कि कुछ जीवित लोगों के नाम मतदाता सूची से कट जाते हैं तो कुछ मृत व्यक्तियों के नाम सूची में रह जाते है या किसी के पिता का या पति का नाम गलत हो जाता है।

गरीब कल्याण योजनाओं में "बंगाल" देश के दूसरे राज्यों से पीछे

शाश्वत तिवारी

पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के दौरे पर टीएमसी सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा भेजे गए विकास कार्यों के पैसे टीएमसी कैडर लूट लेते हैं, जिससे गरीब कल्याण योजनाएं पिछड़ रही हैं। पीएम मोदी ने बताया कि बीजेपी सरकार ने बंगाल के विकास के लिए हर संभव मदद की है। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के दौरे के दौरान जनसभा को संबोधित किया और राज्य की टीएमसी (तृणमूल कांग्रेस) सरकार पर जमकर निशाना साधा। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में विकास कार्यों के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। चुनौती ये है कि बंगाल के लिए जो पैसा हम सीधे राज्य सरकार को भेजते हैं, उसमें से ज़्यादातर हिस्सा लूट लिया जाता है। वो पैसा TMC कैडर पर खर्च होता है, यही वजह है कि गरीब कल्याण की कई योजनाओं में बंगाल देश के दूसरे राज्यों से पीछे है। उन्होंने कहा बीते 11 वर्षों में केंद्र की BJP सरकार ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए लगातार हर प्रकार की मदद दी है। बंगाल में नेशनल हाईवे के निर्माण के लिए जितना पैसा कांग्रेस की UPA सरकार ने अपने 10 साल में दिया था। उससे 3 गुना से ज्यादा पैसा हमारी भारत सरकार ने बंगाल को दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि रेलवे के लिए भी बंगाल का बजट पहले की तुलना में तीन गुना बढ़ाया गया है। पश्चिम बंगाल आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है। इसलिए जब तक पश्चिम बंगाल का सामर्थ्य नहीं बढ़ेगा, तब तक विकसित भारत की यात्रा सफल नहीं हो पाएगी। क्योंकि BJP मानती है कि जब बंगाल का उदय होगा, तभी विकसित भारत बनेगा। उन्होंने कहा मैं ऐसे समय में कोलकाता आया हूं, जब दुर्गा पूजा की तैयारियां शुरू हो गई है। कोलकाता नए रंग में नई रौनक के साथ सज रहा है। आस्था और आनंद के पर्व के साथ जब विकास का पर्व भी जुड़ जाता है, तो खुशी दोगुनी हो जाती है। यहां से कुछ ही दूरी पर मुझे कोलकाता मेट्रो और हाइवे से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट्स के शिलान्यास और लोकार्पण का अवसर मिला है। उन्होंने कहा भारत सरकार पश्चिम बंगाल के विकास के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। आज पश्चिम बंगाल देश के उन राज्यों में शामिल हो चुका है, जहां रेलवे का शत-प्रतिशत बिजलीकरण हो चुका है। लंबे समय से पुरुलिया से हावड़ा के बीच मेमू ट्रेन की मांग हो रही थी, भारत सरकार ने जनता की ये मांग भी पूरी कर दी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है)

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी काम को लेकर काफी उत्साहित रहेंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जायेगा। आज आपके आय के नए रास्ते बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज साहित्य के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा।

वृषभ राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। आज आपको फोन के माध्यम से शुभ सूचना मिल सकती है, घर में ख़ुशी का माहौल बनेगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते है आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

मिथुन राशिफलः आज का दिन आपके लिए ठीक – ठाक रहेगा। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ेगी। आज आपको ऑफिस प्रोजेक्ट समय से पूरा करना होगा , अन्यथा आपको बॉस से डांट पड़ सकती है। आज आप लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे, जिससे एक-दूसरे को अधिक जानने का मौका मिलेगा। आज आप किसी मामले में अपने करीबी का सहयोग ले सकतें हैं।

कर्क राशिफलः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिवार केसदस्यों में आपसी सामंजस्य बना रहेगा, जिससे घर में ख़ुशी का माहौल रहेगा। आज आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे, जहां आपको काफी शांति महसूस होगी। आज आप सेहत को ठीक रखने के लिए मॉर्निंग वाक् करेंगे इससे आपको तरोताजा महसूस होगा।

सिंह राशिफलः आज का दिन आपके लिए मिली – जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आप बेवजह की उलझन से दूर होकर, आप किसी धार्मिक स्थल पर अपना समय बिताएंगे। आज बिजनेस के सिलसिले में आपकी यात्रा हो सकती है, यह यात्रा आपके लिए सुखद रहेगी। आज आप कुछ समय एकांत में रहकर अपनी अच्छाइयों और कमियों के बारे में विचार करेंगे।

कन्या राशिफलः आज का दिन आपके लिए बदलाव से भरा रहेगा। आज आप अपने फैमली बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए किसी एक्सपर्ट की राय ले सकते हैं 7 आज आप पड़ोस में हो रहे भजन, कीर्तन में सपरिवार सम्मिलित होंगे। आज आपकी वाणी में मधुरता का भाव रहेगा। आज आपको राजनीति में सफलता प्राप्त होगी और सभा को संबोधित करने का मौका मिलेगा।

तुला राशिफलः आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज आपको अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी समय मिले अपने काम को पूरा कर ले। इस राशि के छात्रों की नए विषयों में रुचि बढ़ेगी, जिसमें गुरुजनों का साथ मिलेगा। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के साधन मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमाने में कामयाब रहेंगे और आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी।

वृश्चिक राशिफलः आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आज आप नेगटिव बातें करने वाले व्यक्तियों से दूर रहें और खुद का आत्मविश्वास बनाये रखें। आज आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा, आप बच्चों को कहीं घुमाने ले जा सकते हैं जिससे उन्हें ख़ुशी मिलेगी। आज आप सपनों को साकार करने के लिए काफी उत्साहित रहेंगे।

धनु राशिफलः आज का दिन आपके लिए मिला – जुला रहेगा। आज आपको वर्क-फील्ड में सहयोगियों से मदद मिलेगी। इस राशि के घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स आज माता-पिता से मिल सकते हैं। आज आपकी सैलरी में इन्क्रीमेंट होगा, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। आज किसी काम को पूरा करने के लिए आपको शांत रहने की जरूरत है।

मकर राशिफलः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप अपने कार्यों में किसी और को दखल न देने दें और सब कुछ अपनी तरह से हैंडल करें। आज आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे। आज आप माता-पिता से अपने मन की बातों को साझा करेंगे, जिससे आपको हल्का महसूस होगा।

कुंभ राशिफलः आज का आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज आप किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आज आपको नए वाहन का सुख प्राप्त होगा। इस राशि की महिलाएं आज अपनी सहेलियों के साथ किट्टी पार्टी करेंगी।

मीन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। आज आपको पैतृक संपत्ति से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। आप लम्बे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए चेंजेस भी कर सकते हैं। आज समाज में आपके द्वारा किए गए कार्यों की काफी सराहना होगी।

सिंधु की पुकारः संप्रभुता की वापसी और गौरव की बहाली

अर्जुन राम मेघवाल

मानसून शब्द पूरे भारत में खुशी और गर्व का संचार करता है। यह नवाचार, नवीनीकरण और राष्ट्र के आर्थिक इंजन को तत्काल गति प्रदान करने का प्रतीक है। भारत की भौगोलिक स्थिति, प्रचुर वर्षा के साथ मिलकर, इसकी नदियों को पुनर्जीवित करती है और देशभर में जल संसाधनों का विस्तार करती है। यह प्रगति के मौसम का प्रतीक है और स्वतंत्रता दिवस समारोहों के साथ मिला दिए जाने पर देशभक्ति की एक अनूठी भावना का संचार करता है। लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक बार फिर आकांक्षी नागरिकों के लिए एक ऐसा खाका पेश किया जो एक विकसित भारत के निर्माण के व्यापक लक्ष्य को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है। संसद के इस विशेष मानसून सत्र की शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने इसे भारत का गौरवशाली सत्र बताया था। भारतीय सैनिकों का शौर्य, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारखानों पर निर्णायक प्रहार और सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का स्थगन—ये सब भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति के सबूत हैं और राष्ट्रीय मानस पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं। फिर भी, सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा के लिए सरकार के राजी होने के बावजूद, विपक्ष ने बाधा डालने का रास्ता चुना और व्यापक जनहित की कीमत पर विचार-विमर्श को राजनीतिक नौटंकी में सीमित कर दिया। देश अरसे से स्वार्थ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखने की कांग्रेस की पुरानी आदत का बोझ ढोता चला आ रहा है। विभाजन की दुखद विभीषिका से लेकर नेहरूवादी कूटनीति की महंगी पड़ने वाली विफलताओं तक, इतिहास गवाह है कि कैसे इन फैसलों ने भारत की मूल अवधारणा को ही कमजोर कर दिया। सिंधु जल संधि (1960) पर बारीकी से गौर करने पर, जनता और देश के विकास की कीमत पर तुष्टिकरण व अति-उदारता की एक ऐसी कहानी सामने आती है, जिसने राष्ट्रीय विकास की संभावनाओं को निरंतर बाधित किया। यह घोर विडंबनापूर्ण है कि भारत के विकास से जुड़े हितों का त्याग एक ऐसे राजनीतिक आकलन से प्रेरित थे जिसने अपने नागरिकों के कल्याण से ऊपर पाकिस्तान के हितों को तरजीह दी। मूल रूप से, विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी), सिंधु नदी प्रणाली के जल का आवंटन पाकिस्तान के पक्ष में (80:20) करती है। सिंधु नदी प्रणाली का उद्गम मुख्य रूप से भारत में है। इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी में बहने वाली सिंधु, चिनाब और झेलम जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर नियंत्रण छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिससे वैसे व्यापक जल संसाधन छिन गए जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के विशाल शुष्क एवं सूखाग्रस्त इलाकों का कायाकल्प कर सकते थे। यदि राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती, तो सुव्यवस्थित जल अवसंरचना इस इलाके के संपूर्ण विकास की तस्वीर को बेहतर बना सकती थी। हालांकि, इस महत्वपूर्ण त्याग से व्यापक कूटनीतिक लाभ मिलने की उम्मीदें भ्रामक साबित हुईं। इस संधि के प्रक्रियात्मक संचालन ने चिंताओं को और बढ़ा दिया। इस संधि पर 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए गए थे। लेकिन इसे दो महीने बाद, नवंबर में, संसद के समक्ष रखा गया और वह भी मात्र दो घंटे की औपचारिक चर्चा के लिए। जैसे ही इस संधि से जुड़े तथ्य सामने आए, इसके विभिन्न पहलुओं की पड़ताल के बाद प्रमुख समाचार पत्रों में छपी प्रतिकूल टिप्पणियां सुर्खियों में छायी रहीं। इतने महत्वपूर्ण समझौते के प्रति संसदीय स्तर पर बरते गए इस जल्दबाजी भरे व्यवहार ने लोकतांत्रिक निगरानी, पारदर्शिता और तत्कालीन नेतृत्व की दुर्भावनापूर्ण मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। इस सीमित संसदीय पड़ताल के बावजूद, सिंधु जल संधि को भारतीय संसद में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी, जो उस समय एक युवा सांसद थे, ने चेताते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नेहरू का यह तर्क बुनियादी रूप से त्रुटिपूर्ण है कि पाकिस्तान की अनुचित मांगों के आगे झुकने से मित्रता और सद्भावना स्थापित होगी। संसद में 30 नवंबर 1960 को हुई बहस से पता चलता है कि सभी दलों ने इस संधि की आलोचना की थी। अधिकांश सदस्यों ने सरकार की आलोचना की थी और उस पर पाकिस्तान के सामने झुकने तथा भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। राजस्थान से कांग्रेस सांसद श्री हरीश चंद्र माथुर, अशोक मेहता, ए.सी. गुहा, कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद केटीके तंगमणि, सरदार इकबाल सिंह, बृजराज सिंह ने इस जल कूटनीति को लेकर स्पष्ट रूप से चिंताएं जाहिर की थी और इसके विफल होने से जुड़े नतीजों के बारे में अंदेशा जताया था। कुल मिलाकर, इस संधि को एकतरफा, न कि लेन-देन पर आधारित कहा जा सकता है। इस संदर्भ में, यह विडंबना ही थी कि लोकसभा में अपने उत्तर के दौरान प्रधानमंत्री नेहरू ने माननीय सांसदों की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाए और उन्हें कमतर भी आंका। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि संसदों द्वारा की गई आलोचना तथ्य और निहित विचारों से अनजान रहने पर आधारित है। उन्होंने (नेहरू) आगे कहा, मुझे इस बात का दुख है कि इतने महत्वपूर्ण मामले को... एक ऐसा मामला जो न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य से भी जुड़ा है... इतने हल्के में और इतनी लापरवाही एवं संकीर्ण सोच के साथ लिया जा रहा है। इस संधि ने भारत के हितों को कुंद कर दिया और यह पाकिस्तान के लिए एक निर्णायक उपलब्धि साबित हुआ। अयूब खान ने एक सार्वजनिक प्रसारण में स्वीकार किया था कि इस संधि की वैधता और गुण-दोष पाकिस्तान के विरुद्ध थे, लेकिन इस मामले में नेहरू की कूटनीतिक विफलता ने पाकिस्तान को बढ़त दिला दी। 4 सितंबर 1960 को रावलपिंडी में अपने प्रसारण में, अयूब खान ने कहा था, अब जो समाधान हमें मिला है, वह आदर्श नहीं है... लेकिन यह सबसे अच्छा समाधान है जो हमें इन परिस्थितियों में मिल सकता था, इनमें से कई बिंदु, चाहे उनके गुण-दोष और वैधता कुछ भी हों, हमारे खिलाफ हैं। ये खुलासे आज भी राष्ट्रीय हित को गौण रखने के पीछे के मकसद पर सवाल खड़े करते हैं। जैसा कि निरंजन डी. गुलाटी ने अपनी किताब इंडस वाटर ट्रीटीः एन एक्सरसाइज इन इंटरनेशनल मीडिएशन में लिखा है, 28 फरवरी 1961 को खुद प्रधानमंत्री नेहरू ने इस निराशा को स्वीकार करते हुए कहा थाः मुझे उम्मीद थी कि यह समझौता अन्य समस्याओं के समाधान का रास्ता खोलेगा, लेकिन हम वहीं खड़े हैं जहां पहले थे। इस संधि के बाद के घटनाक्रम में आया तीखा अंतर इस समझौते की असमानता को और भी गहराई से रेखांकित करता है। नेहरू की ढिलाई और राष्ट्रीय हित को दरकिनार करने की प्रवृत्ति समय के साथ भारी पड़ती गई। फरवरी 1962 में, 'वाशिंगटन पोस्टÓ को दिए एक साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री नेहरू ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर को आगे की दिशा में एक बड़ा कदम और वास्तव में यह समझौता (कश्मीर के) क्षेत्रीय मुद्दों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण... बताया। स्पष्ट चेतावनियों के बावजूद, शांति और अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति की चाहत में कांग्रेस नेतृत्व ने भारत की दीर्घकालिक जल सुरक्षा एवं समृद्धि के बजाय कूटनीतिक सुविधावाद को चुना।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

यूएस ओपन 2025 में खिताब बचाने को तैयार जानिक सिनर

नई दिल्ली । यूएस ओपन 2025 में एक बार फिर सबकी निगाहें इटली के टेनिस स्टार और मौजूदा चैंपियन जानिक सिनर पर टिकी हुई हैं। पिछले साल खिताब जीतने वाले सिनर इस बार लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे। लगातार दो साल तक यूएस ओपन जीतना बेहद मुश्किल काम माना जाता है, लेकिन सिनर इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बीमारी के कारण सिनसिनाटी ओपन का फाइनल बीच में छोड़ने वाले सिनर अब पूरी तरह से तैयार नजर आ रहे हैं और टूर्नामेंट के लिए न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं। उन्होंने अपनी वापसी को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि यह सीजन का आखिरी ग्रैंड स्लैम है और यहां खेलना हमेशा खास होता है। उन्होंने बताया कि शारीरिक रूप से अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और लगभग पूरी तरह फिट हैं। उनका लक्ष्य टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अपनी फिटनेस को उच्च स्तर तक ले जाना है। सिनर से जब पूछा गया कि आखिर यूएस ओपन में खिताब बचाना इतना मुश्किल क्यों है, तो उन्होंने कहा कि यहां दिन और रात के मैचों का बड़ा फर्क पड़ता है। छोटी-छोटी बातें भी खेल के नतीजे को बदल देती हैं और यही कारण है कि यह टूर्नामेंट बेहद कठिन माना जाता है। इतिहास गवाह है कि केवल स्विट्जरलैंड के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ही ऐसे रहे हैं जिन्होंने लगातार पांच बार यानी 2004 से 2008 तक यूएस ओपन का खिताब जीता। इस बार भी सभी की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि सिनर इस चुनौती को कैसे पार करते हैं। मौजूदा दौर में टेनिस की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता जानिक सिनर और स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज के बीच देखने को मिल रही है। पिछले सात ग्रैंड स्लैम खिताब इन दोनों खिलाड़ियों ने आपस में बांटे हैं। ऐसे में इस साल भी यूएस ओपन का फाइनल इन्हीं दोनों के बीच होने की संभावना जताई जा रही है। सिनर ने अल्काराज के साथ अपनी प्रतिस्पर्धा पर कहा कि यह खेल और खिलाड़ियों दोनों के लिए अच्छी है। कभी-कभी अभ्यास के दौरान जब थकान महसूस होती है तो आप अपने प्रतिद्वंद्वी से प्रेरणा लेते हैं और यह चीज असली मैच में काम आती है। उन्होंने यह भी माना कि इस समय बड़ी ट्रॉफियां वही और कार्लोस साझा कर रहे हैं लेकिन भविष्य में हालात बदल सकते हैं क्योंकि टेनिस में कई शानदार खिलाड़ी मौजूद हैं। सिनर का कहना है कि फाइनल तक पहुंचना हमेशा मुश्किल होता है और इसलिए खिलाड़ियों को लगातार सुधार करना पड़ता है। उनका मानना है कि अब बाकी खिलाड़ी उन्हें और अल्काराज को अच्छी तरह समझने लगे हैं और इसलिए चुनौती और बड़ी हो गई है। हालांकि सिनर आत्मविश्वास से भरे हैं और खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं।

एसए20 लीग का फाइनल न्यूलैंड्स में, 26 दिसंबर से शुरू होगा चौथा सत्र

डरबन । दक्षिण अफ्रीका की लोकप्रिय घरेलू टी20 लीग एसए20 का चौथा सत्र इस बार और भी रोमांचक होने वाला है। आयोजकों ने घोषणा की कि आगामी सत्र का फाइनल मुकाबला केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं, डरबन, सेंचुरियन और जोहानिसबर्ग जैसे शहरों में प्लेऑफ के अहम मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट का आगाज 26 दिसंबर से होगा। इस बार खास बात यह है कि डरबन पहली बार किसी प्लेऑफ मैच की मेजबानी करेगा, जहां 21 जनवरी को क्वालीफायर-1 खेला जाएगा। इसमें लीग की शीर्ष दो टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद 22 जनवरी को सेंचुरियन में एलिमिनेटर, जबकि 23 जनवरी को जोहानिसबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में क्वालीफायर-2 खेला जाएगा। अब तक एसए20 के सभी फाइनल दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में खेले गए हैं। ऐसे में इस बार भी आयोजन समिति को भारी भीड़ की उम्मीद है। लीग आयुक्त और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा, "एसए20 का चौथा सत्र क्रिकेट का बेहद रोमांचक समय बनने जा रहा है। यह बॉक्सिंग डे से शुरू होकर छुट्टियों तक चलेगा। पिछले साल न्यूलैंड्स में पांच मैचों के सभी टिकट बिक गए थे। इस बार का फाइनल रविवार को है, जिससे यह और भी खास और मनोरंजक होगा। दर्शकों को जीवंत माहौल में नए चैंपियन को देखने का मौका मिलेगा।" टूर्नामेंट के इस सीजन में खिलाड़ियों की नीलामी 9 सितंबर को आयोजित की जाएगी। इस नीलामी में छह फ्रेंचाइजी टीमों को अपने-अपने स्क्वॉड में 19 खिलाड़ियों को शामिल करने का अवसर मिलेगा। कुल मिलाकर, क्रिकेट प्रशंसकों को इस साल के अंत में एसए20 का शानदार और हाई-वोल्टेज सीजन देखने को मिलेगा, जिसमें दर्शकों को दमदार मुकाबलों के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका के विभिन्न प्रतिष्ठित स्टेडियमों का माहौल भी रोमांचित करेगा।

ब्रोंको टेस्ट से खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा बढ़ा : अश्विन

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से फिटनेस के लिए ब्रोंको टेस्ट को अनिवार्य बनाने पर बात हो रही है। वह सही नहीं है। अश्विन के अनुसार जब भी ट्रेनर बदलते हैं तो खिलाड़ियों के लिए नया फिटसेस टेस्ट आ जाता है। उन्होंने टीम प्रबंधन को आगाह करते हुए कहा है कि ब्रोंको टेस्ट से खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा काफी बढ़ने की आशंका है। ब्रोंको टेस्ट भारतीय टीम के नये ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स आये हैं। ब्रोंको टेस्ट एरोबिक सहनशक्ति और खिलाड़ी की कार्डियोवैस्कुलर क्षमता को चुनौती देने के लिए विकसित किया गया है। रॉक्स टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बने हैं और उन्होंने तेज गेंदबाजों से जिम-आधारित प्रशिक्षण पर निर्भर रहने की जगह पर अपने रनिंग वर्कलोड को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। इंग्लैंड सीरीज में जिस प्रकार मोहम्मद सिराज के अलावा अन्य तेज गेंदबाजों की फिटनेस पर सवाल उठे थे। उसे देखते हुए ये टेस्ट लाया गया है। अश्विन ने कहा कि जब-जब ट्रेनर बदलते हैं तो नये तरीके आते हैं जिससे क्रिकेटरों को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अश्विन ने कहा, "मैंने हमेशा ट्रेनरों से पूछा है। जब ट्रेनर बदलते हैं, तो टेस्टिंग का तरीका बदल जाता है। ट्रेनिंग की योजनाएं बदल जाती हैं। इससे खिलाड़ियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।" अश्विन ने कहा, "एक खिलाड़ी के रूप में अगर आप ट्रेनिंग का तरीका बार-बार बदलते हैं तो यह खिलाड़ियों के लिए बहुत कठिन हो जाता है। कई मामलों में इससे चोटें भी लग सकती हैं। मैं इसे नकार नहीं रहा हूं, इससे चोटें लगी हैं।

पुजारा ने खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास लिया

मुम्बई । टेस्ट विशेषज्ञ बल्लेबाज के तौर पर लोकप्रिय रहे चेतेश्वर पुजारा ने खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास ले लिया है। पुजारा ने अंतरराट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था अब उन्होंने घरेलू क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया है। पुजारा ने अंतिम बार साल 2023 में भारत के लिए अंतरराट्रीय मैच खेला था। पुजारा ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा की। उन्होंने अपने पत्र में लिखा, भारतीय जर्सी पहनना, राष्ट्रगान गाना और हर बार मैदान पर कदम रखते ही अपना सर्वश्रेष्ठ देने के प्रयास करने के अनुभव को शब्दों में नहीं बताया जा सकता है। जैसा कि सभी कहते हैं, हर अच्छी चीज का अंत होना ही होता है और यह भी हो गया है। ऐसे में अपार कृतज्ञता के साथ मैंने खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया है। साथ ही कहा कि आप सभी से मिले प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद! गौरतलब है कि पुजारा ने साल 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इसके बाद से ही उन्होंने साल 2023 तक 103 टेस्ट और 5 एकदिवसीय मैच खेले। एकदिवसीय में हालांकि वह सफल नहीं रहे और केवल 15 रन ही बना पाये। वह साल 2013 से 2014 तक ही एकदिवसीय प्रारुप में रहे। वहीं टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में उन्हें कभी भी मौका नहीं मिला। 103 टेस्ट मैचों में पुजारा ने 7195 रन बनाए हैं, जिनमें 19 शतक, 35 अर्धशतक और 3 दोहरे शतक शामिल रहे हैं। टेस्ट में पुजारा भारतीय क्रिकेट के एक बेहद भरोसेमंद बल्लेबाज रहे हैं। उनकी भूमिक पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ जैसी रही है। द्रविड़ को उनके दौर में भारत की दिवार कहा जाता था।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष बोले, रोहित और विराट अभी एकदिवसीय खेलेंगे

दोनो ही अभी पूरी तरह से फिट

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अभी एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे और इनके संन्यास की जो भी अटकलें लगायी जा रही हैं। वह पूरी तरह से गलत हैं। शुक्ला के इस बयान से कोहली और रोहित के संन्यास की अटकलों के भी समाप्त होने की संभावना है। कोहली और रोहित ने टेस्ट और टी20 से पहले ही नाम वापस ले लिया था। अब इनका लक्ष्य आईसीसी विश्वकप 2027 खेलना है हालांकि ये दोनो चैम्पियंस ट्रॉफी से ही खेल से दूर हैं, ऐसे में इनके लिए टीम में जगह बनाना आसान नहीं होगा। बोर्ड उपाध्यक्ष ने कहा कि रोहित और विराट दोनो ही फिट हैं और ऐसे में ये एकदिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे। वहीं प्रशंसक इसलिए परेशान हैं क्योंकि विश्वकप से पहले भारत को कुछ ही एकदिवसीय खेलने हैं। ऐसे में इन दोनो के लिए ही फिटनेस बनाए रखना कठिन होगा। रोहित और विराट के बारे में कोई कुछ भी कहे पर यह अंदाजा हो गया है कि ये अब अधिक समय तक नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया दौरा इनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय दौर हो सकता है। जिसको लेकर प्रशंसक निराश हैं। शुक्ला के बयान से हालांकि प्रशंसकों को कुछ उम्मीद बनी है। शुक्ला ने पूछा, "इन दोनो ने अभी तक संन्यास नहीं लिया ? इसलिए ये दोनो अभी भी एकदिवसीय खेलेंगे, ऐसे में विदाई की बात क्यों की जा रही है।

व्यापार

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी भी उछल कर 1.20 लाख के स्तर पर पहुंची

साप्ताहिक आधार पर सोने में 440 रुपये तक की तेजी, चांदी में 3,800 रुपये की उछाल

नई दिल्ली घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख लगातार बना हुआ है। सोने की कीमत में 840 रुपये से लेकर 860 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,620 रुपये से लेकर 1,01,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 93,150 रुपये से लेकर 93,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,20,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के दौरान जबरदस्त उतार चढ़ाव होने के बावजूद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में सिर्फ 440 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान महज 400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। सोने की तरह ही पूरे सप्ताह कीमत में उतार चढ़ाव के बाद चांदी के भाव में साप्ताहिक आधार पर 3,800 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आ गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 93,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 93,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 93,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 93,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 93,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 1.72 लाख करोड़ बढ़ा

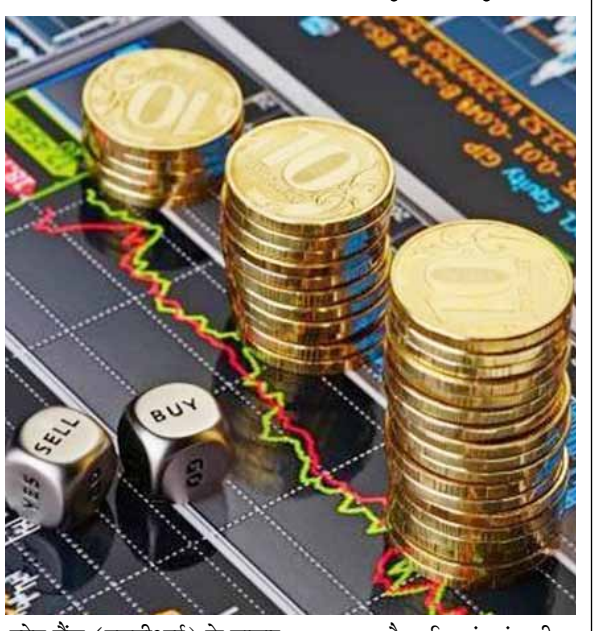

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट केप) में 1,72,148.89 करोड़ की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस वृद्धि में सबसे अधिक योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा, जिसने 48,107.94 करोड़ की वृद्धि के साथ अपने बाजार पूंजीकरण को 19,07,131.37 करोड़ तक पहुंचाया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर का भी बाजार मूल्यांकन 34,280.54 करोड़ बढ़कर 6,17,672.30 करोड़ पर पहुंच गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस को भी लाभ हुआ। जबकि अधिकांश कंपनियों के मूल्यांकन में सुधार देखने को मिला, वहीं एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। इससे यह साफ होता है कि निवेशकों ने इन दोनों बैंकों के प्रति कुछ सतर्कता दिखाई है। वर्तमान में शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची इस प्रकार है – रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस।

फेडरल रिजर्व के फैसले, वैश्विक आंकडों से तय होगी बाजार की चाल

निवेशकों को दरों में नरमी की उम्मीद

नई दिल्ली । अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेत से वैश्विक बाजारों में तेजी आई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव घरेलू शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जैक्सन हॉल संगोष्ठी में फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की दिशा में प्रगति हो रही है, जिससे निवेशकों को दरों में नरमी की उम्मीद बंधी है। इसके चलते अमेरिकी बाजारों में जोरदार तेजी देखी गई, वहीं डॉलर सूचकांक में कमजोरी आई। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय बाजार को भी इससे सहारा मिल सकता है। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क लगाने की 27 अगस्त की समयसीमा निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विश्लेषकों के अनुसार इस मुद्दे पर स्पष्टता आने तक विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की भागीदारी सीमित रह सकती है। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार का रुख विदेशी निवेश, वैश्विक संकेतों और भारत, अमेरिका एवं चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। विशेषज्ञों ने कहा कि शुल्क की घोषणा और आर्थिक डेटा पर कड़ी नजर रखना जरूरी होगा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 709 अंक और निफ्टी में 238 अंक की बढ़त दर्ज की गई। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि जीएसटी 2.0 जैसे सुधारों और घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती से बाजार को समर्थन मिलता रहेगा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर बुधवार को बाजार बंद रहेगा।

इमरान ताहिर ने 46 की उम्र में सीपीएल में लिया 5 विकेट हॉल, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली गुयाना अमेजन वॉरियर्स के कप्तान और अनुभवी लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने एक बार फिर कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 में अपनी धाक जमाई है। 46 वर्षीय ताहिर ने एंटीगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स के खिलाफ नॉर्थ साउंड में खेले गए मुकाबले में 5 विकेट हॉल अपने नाम किए। उनकी घातक गेंदबाजी ने विरोधी टीम के मध्यक्रम और निचले क्रम को ध्वस्त कर दिया और वॉरियर्स को 83 रन की बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। ताहिर ने पहली ही गेंद पर शाकिब अल हसन को चकमा देकर विकेटकीपर शाई होप से आसान स्टंपिंग कराई। उन्होंने प्रतिद्वंद्वी कप्तान इमाद वसीम को बड़ा शॉट खेलने पर मजबूर किया और शमार जोसेफ ने उनका कैच पकड़ा। इसके बाद ताहिर ने शमार स्प्रिंगर को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। उसामा मीर और ओबेड मैकॉय को आउट कर ताहिर ने अपना 5 विकेट हॉल पूरा किया। ताहिर ने 4 ओवर में 1 मेडन के साथ 21 रन देकर 5 विकेट लिए। ताहिर ने सीपीएल के इतिहास में गुयाना के किसी गेंदबाज का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उनसे बेहतर आंकड़े सिर्फ सोहेल तनवीर के नाम हैं, जिन्होंने 2017 में बारबाडोस ट्राइडेंट्स के खिलाफ 5/3 के आंकड़े दर्ज किए थे। इस शानदार प्रदर्शन के साथ ताहिर ने 80 मुकाबलों में 114 विकेट पूरे कर लिए हैं, उनकी औसत 17.14 और इकॉनमी 6.49 की है। उनके सभी विकेट गुयाना के लिए ही आए हैं, उन्होंने 1 बार 4 विकेट हॉल भी लिया है। ताहिर सीपीएल में 100 से अधिक विकेट लेने वाले एकमात्र विदेशी गेंदबाज हैं। इस सूची में उनसे आगे सिर्फ ड्वेन ब्रावो (129) और सुनील नरेन (124) हैं। ताहिर के बाद जेसन होल्डर (105) ही ऐसे गेंदबाज़ हैं जिन्होंने सीपीएल में 100 विकेट पूरे किए हैं। इस उपलब्धि के साथ ताहिर ने साबित कर दिया है कि उम्र केवल एक संख्या है और उनकी गेंदबाजी आज भी इस लीग में बल्लेबाजों पर कहर बरपा रही है। ताहिर ने अब तक 436 टी-20 मुकाबले खेले हैं और 554 विकेट अपने नाम किए हैं। उनकी औसत 19.52 और इकॉनमी रेट 6.96 रही है। इस प्रारूप में उन्होंने 12 बार 4 विकेट हॉल और 5 बार 5 विकेट हॉल लिए हैं। कुल टी-20 विकेटों के मामले में ताहिर केवल राशिद खान (660), ब्रावो (631) और नरेन (590) से पीछे हैं। टी-20 अंतरराष्ट्रीय में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के लिए उन्होंने 63 विकेट चटकाए हैं।

अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के नवंबर में भारत आने की हुई पुष्टि, केरल में खेलेगी मैत्री मैच

नईदिल्ली भारत के फुटबॉल प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। दुनिया के प्रसिद्ध फुटबॉल खिलाड़ी लियोनल मेसी की अर्जेंटीना टीम भारत में मैत्री मैच खेलने के लिए तैयार हो गई है। भारतीय फुटबॉल महासंघ ने शनिवार को इसकी पुष्टि की है। यह मैत्री मैच 10-18 नवंबर के बीच केरल में खेला जाएगा। इससे मेसी के भी टीम के साथ आने की उम्मीद बढ़ गई है। बता दें, साल 2011 के बाद यह अर्जेंटीना टीम का भारत का दूसरा दौरा होगा। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने शनिवार सुबह एक्स पर लिखा, लियोनेल स्कोलोनी के नेतृत्व में अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम 2025 के शेष समय में दो फीफा मैत्री मैच खेलेगी। पहला मैच 6 से 14 अक्टूबर के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका में खेला जाएगा (प्रतिद्वंद्वी और शहर निर्धारित किए जाएंगे)। दूसरा मैच 10 से 18 नवंबर के बीच अंगोला के लुआंडा और भारत के केरल राज्य में खेला जाएगा। इन मैचों के लिए भी अभी प्रतिद्वंद्वी निर्धारित किए जाएंगे। इससे पहले 1 अगस्त को रिपोर्ट में कहा गया था कि मेसी 14 दिसंबर को एक कार्यक्रम के लिए मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में आएंगे। कार्यक्रम के आयोजकों (विजक्राफ्ट) ने इसकी अनुमति मांगी है। वह 13 से 15 दिसंबर तक कई कार्यक्रमों के सिलसिले में मुंबई के बाद कोलकाता और दिल्ली का भी दौरा करेंगे। कोलकाता में उन्हें ईडन गार्डन स्टेडियम में सम्मानित किया जाएगा, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भी उपस्थित रहने की संभावना है।

अनुराग कश्यप की निशांची का पहला गाना डियर कंट्री हुआ रिलीज, 19 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

भारतीय सिनेमा के मशहूर निर्देशक और अभिनेता अनुराग कश्यप फिल्म निशांची लेकर आ रहे हैं, जिसका दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि इसके जरिए शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे अभिनय की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। अब निर्माताओं ने निशांची का पहला गाना डियर कंट्री जारी कर दिया है, जिसे विजय लाल यादव ने अपनी आवाज दी है। अनुराग ने लिखा, सुनो, देखो, बजाओ, और दिल से बोलो... हमें अपने प्यारे देश के लिए हमेशा मरने के लिए तैयार रहना चाहिए। निशांची 19 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब, पीयूष मिश्रा, मनन भारद्वाज, वरुण ग्रोवर और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार भी नजर आएंगे। फिल्म का नया पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें ऐश्वर्य और वेदिका समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। डियर कंट्री गाना बनाने के अपने अनुभव को बताते हुए, ध्रुव घाणेकर ने कहा, हमारा सोच आसान था, जैसे ही आप इसे सुनो, गाँव की बात समझ आ जाए। हमने पुरानी धुन से शुरुआत की, फिर उसमें देसी और टूटी-फूटी अंग्रेज़ी वाले बोल जोड़े, जो छोटे शहरों की बातों जैसे सीधे दिल से निकलते हैं। मुझे पूरी आज़ादी मिली कि मैं निशानची की कहानी की मस्ती और दिल को मिलाकर गाना बना सकूं। अनुराग की फिल्मों का हमेशा अलग सा संगीत होता है, इसलिए मैं कुछ नया और अलग करना चाहता था। 'डियर कंट्री मज़ेदार, थोड़ा हटकर, जड़ों से जुड़ा और बिलकुल असली लगता है। अनुराग कश्यप ने निशानची फिल्म बनाई है, जिसे अजाय राय और रंजन सिंह ने जार पिक्चर्स और फ्लिप फिल्म्स के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म की कहानी प्रसून मिश्रा, रंजन चंदेल और अनुराग कश्यप ने लिखी है। यह फिल्म दो भाइयों के मुश्किल रिश्ते की कहानी है, जो अलग-अलग रास्ते चलते हैं और उनके फैसले उनकी ज़िंदगी कैसे बदलते हैं, यह दिखाती है। फिल्म में नए कलाकार ऐश्वर्य ठाकरे दो अहम रोल में हैं, साथ ही वेदिका पिंटो, मोनिका पंवार, मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

कुली की कमाई पर लगा ग्रहण, 9वें दिन किया अब तक का सबसे कम कलेक्शन

रजनीकांत स्टारर तमिल एक्शन थ्रिलर 'कुली को 14 अगस्त को रिलीज़ होने पर दर्शकों और क्रिटिक्स से मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था. हालांकि इसने यूं तो बॉक्स ऑफिस पर शानदार तरीके से शुरुआत की थी लेकिन फिर ओपनिंग वीकेंड पर ही इसकी कमाई में गिरावट आने लगी थी. फिर वीकडेज में तो इसकी कमाई उम्मीद से कहीं ज़्यादा घटती चली गई, जिसके चलते इस फिल्म का पहले हफ़्ते का कलेक्शन 2.0 और जेलर से भी कम रहा. चलिए यहां जानते हैं इसने रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को कितनी कमाई की है?

भारी प्री-सेल्स के दम पर, कॉलीवुड की इस एक्शन थ्रिलर फिल्म ने 65 करोड़ की धमाकेदार कमाई के साथ अपनी शुरुआत की थी जो रजनीकांत के लिए अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग रही. फिर दूसरे दिन इसकी कमाई घट गई और इसने 54.75 करोड़, तीसरे दिन 39.5 करोड़ और चौथे दिन 35.25 करोड़ की कमाई की. गिरावट के बावजूद, फिल्म ने 4 दिनों के एक्सटेंडेड ओपनिंग वीकेंड में 194.5 करोड़ की दमदार कमाई की थी.

कुली सोमवार के लिटमस टेस्ट में फेल हो गई और पांचवें दिन इसने सिर्फ़ 12 करोड़ कमाए. इसके बाद छठे दिन से ये सिंगल डिजीट में सिमट गई और इसने 9.5 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं सातवें दिन 7.5 करोड़ और आठवें दिन 6.25 करोड़ कमाए. इसी के साथ इसके एक हफ्ते की कुल कमाई 229.65 करोड़ रुपये रही.

वहीं अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'कुली ने 9वें दिन 5.50 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'कुली की 9 दिनों की कुल कमाई अब 235.15 करोड़ रुपये हो गई है. 'कुली का कलेक्शन अच्छा है, लेकिन बड़ी उम्मीदों और शुरुआत को देखते हुए, इससे और भी ज़्यादा कमाई की उम्मीद थी. रिकॉर्ड तोड़ शुरुआत के बावजूद, यह 2.0 (303.25 करोड़) और जेलर (235.85 करोड़) के शुरुआती वीक के आंकड़ों से पिछड़ गई है. इस तरह यह रजनीकांत की पहले वीक में सबसे ज़्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्म को लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच पाई है. 'कुली में नागार्जुन, उपेंद्र, सौबिन शाहिर, रचिता राम और श्रुति हासन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि आमिर खान ने फिल्म में स्पेशल कैमियो किया है. कुली का निर्देशन लोकेश कनगराज ने किया है, जिन्होंने इससे पहले तमिल एक्शन ब्लॉकबस्टर फ़िल्में कैथी, विक्रम, लियो और मास्टर का निर्देशन किया था.

निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी की टिप्पणियों पर दी सफाई

अभिनेत्री निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी की उस टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया दी, जिसमें उषा ने निक्की को घमंडी बोला था। निक्की ने स्पष्ट किया कि वह उषा का बहुत सम्मान करती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वह उनकी हर बात से सहमत हों या उनकी चापलूसी करें। दरअसल, निक्की तंबोली ने उषा नदकर्णी के इंटरव्यू का एक वीडियो क्लिप अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट किया, जिसके कैप्शन में निक्की ने लिखा, मैं उषा जी का बहुत सम्मान करती हूं। लेकिन सिर्फ इसलिए कि आप सीनियर हैं और मैं जूनियर, इसका मतलब यह नहीं कि मैं आपकी हर बात मानूं या चापलूसी करूं। आप मुझे घमंडी कहकर आंक नहीं सकतीं। मुझे अपनी असलियत पता है और मेरे प्रशंसक भी इसे जानते हैं। आपके लिए मेरे सम्मान के अलावा, किसी और को मुझे जज करने का हक नहीं है। बता दें कि उषा नदकर्णी इंटरव्यू में यह कहती नजर आ रही थी कि निक्की ने उनसे कभी बातचीत शुरू नहीं की और वह मुझे हमेशा घमंडी नजर आई। दोनों ने इस साल सेलिब्रिटी मास्टर शेफ के सेट पर साथ काम किया था। निक्की, जो रियलिटी शो बिग बॉस में फर्स्ट रनर-अप बनकर मशहूर हुई थीं, उन्होंने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए एक वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने कहा, ऐसे मुश्किल शो में फर्स्ट रनर-अप बनना आसान नहीं था। मैंने अपनी असली शख्सियत के दम पर यह हासिल किया। मेरी फितरत में लोगों की चापलूसी करना नहीं है। मेरे प्रशंसक मुझे मेरे असली रूप के लिए प्यार करते हैं, और उनके साथ मेरा भावनात्मक रिश्ता मेरी असली ताकत है। वहीं, निक्की इन दिनों अपने बॉयफ्रेंड अरबाज पटेल के साथ अपनी लव लाइफ और घूमने-फिरने में व्यस्त हैं।

तमन्ना भाटिया इन 5 फिल्मों से करेंगी राज

एक पर एकता कपूर लगाएंगी बड़ा दांव

तमन्ना भाटिया न सिर्फ साउथ, बल्कि बॉलीवुड में भी लोकप्रिय हैं। भले ही हिंदी फिल्मों में उनकी दाल न गली हो, लेकिन अपनी खूबसूरती और डांस से वह हिंदी भाषी दर्शकों को भी अपना दीवाना बनाने में सफल रही हैं। स्त्री 2 के गाने आज की रात से तमन्ना ने इंटरनेट पर खूब तहलका मचाया। तमन्ना की कई फिल्में दर्शकों के बीच आएंगी। पिछली बार ओडेला 2 में शिवभक्त बनीं तमन्ना की कौन-सी फिल्में आने वाली हैं, आइए जानते हैं। एकता कपूर की हॉरर फ्रेंचाइची रागिनी एमएमएस बहुत लोकप्रिय है। अब इस फ्रेंचाइजी में तमन्ना की एंट्री हो गई है। रागिनी एमएमएस 3 में वह लीड रोल निभाएंगी। ऐसी खबरें हैं कि एकता तीसरी किस्त को फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म बनाना चाहती हैं और इस पर मोटा पैसा भी लगाएंगी। एकता ने जब तमन्ना को इसकी कहानी सुनाई तो वो इस तरह की हॉरर थीम सुनकर हैरान रह गईं। ये फिल्म हॉरर-कॉमेडी फॉर्मेट पर आधारित होगी। तमन्ना की आने वाली फिल्मों में रोमियो भी शामिल है। इसमें उनकी जोड़ी पहली बार अभिनेता शाहिद कपूर के साथ बनने वाली है। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म होगी, जो इस साल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस फिल्म पर साजिद नाडियाडवाला पैसा लगा रहे हैं। रिलीज से पहले इसका प्रचार भी जोर-शोर से होगा। तमन्ना को रेंजर में भी अहम भूमिका में देखा जाएगा। इस फिल्म के हीरो अजय देवगन हैं, जो तमन्ना के साथ दूसरी बार काम कर रहे हैं। पहली बार उन्होंने साजिद खान की फिल्म हिम्मतवाला में काम किया था, जो सुपरफ्लॉप रही थी। रेंजर का निर्देशन जगन शक्ति कर रहे हैं, जिन्होंने अक्षय कुमार की सफल फिल्म मिशन मंगल का निर्देशन किया था। संजय दत्त इस फिल्म में विलेन बने हैं, जो पहली बार पर्दे पर अजय से भिड़ते दिखेंगे। तमन्ना जल्द ही निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म में दिखाई देंगी, जिसमें उनकी जोड़ीदार जॉन अब्राहम होंगे, जिनके साथ उन्हें पहले फिल्म वेदा में देखा गया था। यह फिल्म पूर्व पुलिस आयुक्त राकेश मारिया की बायोपिक है, जिसमें तमन्ना उनकी पत्नी प्रीति मारिया का किरदार निभाएंगी। उधर एकता कपूर की फिल्म वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट में तमन्ना अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मुख्य भूमिका निभाएंगी। यह फिल्म 15 मई, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वॉर 2 नहीं तोड़ पाई पठान-एक था टाइगर का रिकॉर्ड, 9 दिनों की शॉकिंग कमाई ने मेकर्स की उड़ाई नींद

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर स्टारर 'वॉर 2 को सिनेमाघरो में रिलीज हुए 9 दिन पूरे हो चुके हैं. हालांकि ये एक्शन पैक्ड हाई प्रोफाइल बजट में बनी फिल्म पहले दिन से ही इंडियन बॉक्स ऑफिस पर कमज़ोर परफॉर्म कर रही है. सभी को उम्मीद थी कि यह 8 दिनों के एक्सटेंडेड फर्स्ट वीक में बड़े कलेक्शन तक पहुँच जाएगी. लेकिन ऐसा नहीं हुआ उल्टा ये तो बॉक्स ऑफिस पर टिके रहने के लिए पसीना बहाती नजर आ रही है. चलिए यहां जानते हैं 'वॉर 2 ने रिलीज के 9वें दिन यानी दूसरे शुक्रवार को कितना कलेक्शन किया है? वाईआरएफ यूनिवर्स की छठी फिल्म 'वॉर 2 भारी उम्मीदों के साथ बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी. फिर इसने 52.5 करोड़ के दमदार कलेक्शन के साथ खाता खोड़ा इसके बाद स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी की वजह से दूसरे दिन इसकी कमाई में उछाल भी देखा गया और इसने 57.85 करोड़ की कमाई की. लेकिन तीसरे दिन से इसकी कमाई पर ग्रहण लग गया और ये हर दिन घटती चली गई. जहां तीसरे दिन इसने 33.25 करोड़ कमाए तो चौथे दिन 32.65 करोड़ की कमाई की. इसके बाद वीकडेज में तो इसका और बुरा हाल हो गया और ये सिंगल डिजीट में सिमट गई. बता दें कि 5वें दि इसने 8.75 करोड़, 6ठे दिन 9 करोड़, 7वें दिन 5.75 करोड़ और 8वें दिन 5 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ इसकी फर्स्ट वीक की कमाई 204.25 करोड़ रही. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक दूसरे शुक्रवार यानी 9वें दिन इसने 4 करोड़ कमाए हैं. जिसके बाद 'वॉर 2 की 9 दिनों की कुल कमाई अब 208.25 करोड़ रुपये हो गई है. वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्मों के फर्स्ट वीक के कलेक्शन के मामले में 'वॉर 2 चौथे नंबर पर है. हालांकि इससे नंबर 1 पोजिशन पर कायम रहने की उम्मीद की जा रही है लेकिन असल में, इसने बहुत ठंडा परफॉर्म किया है और ये पठान, वॉर और टाइगर 3 से पिछड़ गई है. मंदी के बावजूद,'वॉर 2 ऋतिक रोशन के करियर की अब तक की 5वीं सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है, जिसने उनकी फिल्म सुपर 30 की लाइफटाइम कमाई को पीछे छोड़ दिया है. फिल्म ने भारत में ?200 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर लिया है. हालांकि ये अपना बजट (400 करोड़) वसूलने से अभी बहुत दूर है. देखने वाली बात होगी कि इसकी कमाई में दूसरे वीकेंड पर तेजी आती है या नहीं।

किसी भी तरह की साड़ी पहनते समय इन 5 बातों का रखें ध्यान

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जो हर महिला को सुंदर दिखाता है। हालांकि, साड़ी पहनते समय कई महिलाएं कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठती हैं, जिससे उनका लुक बिगड़ जाता है। चाहे वह बनारसी साड़ी हो या कांजीवरम, हर साड़ी को सही तरीके से पहनना जरूरी है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे सुझाव देंगे, जिनसे आप साड़ी पहनते समय ध्यान रख सकती हैं और हर बार बेहतरीन दिख सकती हैं।

सही ब्लाउज चुनें : साड़ी के साथ सही ब्लाउज का चयन करना बहुत जरूरी है। अगर आपकी साड़ी भारी कढ़ाई वाली है तो हल्का ब्लाउज पहनें और हल्की कढ़ाई वाली साड़ी के साथ भारी ब्लाउज पहनें। इससे आपका लुक संतुलित रहेगा और आप ज्यादा आकर्षक दिखेंगी। इसके अलावा ब्लाउज का रंग भी साड़ी के रंग से मेल खाना चाहिए ताकि आपका पूरा लुक एकसार लगे और आप हर मौके पर खास दिख सकें।

पेटीकोट फिटिंग पर ध्यान दें : पेटीकोट की फिटिंग भी बहुत जरूरी होती है। अगर पेटीकोट ढीला होगा तो साड़ी ठीक से नहीं बंधेगी और आपका लुक खराब हो जाएगा। इसलिए हमेशा सही फिटिंग वाला पेटीकोट ही चुनें। इसके अलावा पेटीकोट का रंग भी आपकी साड़ी के रंग से मेल खाना चाहिए ताकि वह दिखने में एकसार लगे। सही फिटिंग और मेल खाता रंग आपकी साड़ी को और भी खूबसूरत बनाएगा और आपका पूरा लुक खास दिखेगा।

पल्लू की ड्रेपिंग सही रखें : पल्लू की ड्रेपिंग भी बहुत जरूरी होती है। अगर आप बनारसी या कांजीवरम साड़ी पहन रही हैं तो पल्लू को कंधे पर अच्छे से फॉल्ड करें ताकि वह खुल न सके और अच्छा दिखे। इसके लिए आप पल्लू को थोड़ा टाइट बांध सकती हैं या साड़ी पिन का उपयोग कर सकती हैं। इसके अलावा पल्लू को सामने से पीछे की ओर ले जाते समय उसे सही तरीके से मोड़ें ताकि वह हर दिशा से अच्छा दिखे।

फुटवियर्स का चयन सोच-समझकर करें : फुटवियर्स का चयन करते समय ध्यान रखें कि वे आरामदायक हों और आपकी ऊंचाई के अनुसार मेल खाती हों। अगर आपकी साड़ी भारी होती है तो ऊंची हील्स पहनें ताकि आपका लुक संतुलित रहे, वहीं अगर आप रोजमर्रा की साड़ी पहन रही हैं तो फ्लैट्स या ब्लॉक हील्स का चयन करें ताकि चलने में कोई दिक्कत न हो। इसके अलावा फुटवियर्स का रंग भी आपकी साड़ी के रंग से मेल खाना चाहिए।

गहनों का मेल खाता होना चाहिए : गहनों का चयन करते समय यह सुनिश्चित करें कि वे आपकी साड़ी से मेल खाते हों। भारी कढ़ाई वाली बनारसी या कांजीवरम साड़ी के साथ बड़े झुमके या भारी गले का हार अच्छे लगते हैं, जबकि हल्की कढ़ाई वाली साड़ी के साथ छोटे झुमके या पतली चूड़ियां पहन सकती हैं। इन सरल लेकिन असरदार सुझावों को अपनाकर आप हर बार साड़ी पहनते समय खुद को खास महसूस कर सकती हैं और हर मौके पर आकर्षक दिख सकती हैं।

SIR process in Bihar in final stage, 98.2 percent voters have submitted documents so far

New Delhi, The Special Intensive Revision (SIR) process going on in Bihar is in its final stage. The period for submitting claims, objections and documents is going on from 1 August to 1 September, which still has 8 days left to end. On Sunday, the Commission informed that Bihar's SIR is on schedule. All the claims and objections received will be settled by 25 September. After investigation, the final voter list will be published on 30 September. The Election Commission said in a press release that so far 98.2 percent voters have submitted their documents. The Commission has praised all the officials and BLOs and lakhs of volunteers involved in the SIR process in Bihar. According to the Commission, apart from the Chief Electoral Officer of Bihar, the District Election Officers of 38 districts, 243 Electoral Registration Officers, 2,976 Assistant Electoral Registration Officers, 90,712 Booth Level Officers (BLOs), lakhs of volunteers and regional representatives of all 12 major political parties, including their district presidents and 1.60 lakh BLAs, participated in this process. The Election Commission says that the period of claims and objections provides an opportunity to the voters to correct the errors in the draft electoral roll and submit the necessary documents, which were not given while filling the nomination form. According to the information received from the CEO office of Bihar, documents of 98.2 percent of the voters have been received so far. The Commission said in a press release that in just 60 days between June 24 and August 24, on an average, 1.64 percent of the voters submitted their documents per day. There are still 8 days left and only 1.8 percent of the voters' documents are yet to be submitted. The Commission hoped that with the help of BLOs and volunteers, the documentation work of the remaining voters will also be completed before the scheduled time. In accordance with the orders of the SIR of June 24, the verification of documents is also being done simultaneously by the concerned 243 EROs and 2,976 AEROs. According to the release, the Commission has so far received 0.16 per cent claims and objections out of the 7.24 crore voters included in the draft list. 10 claims and objections have been received from BLAs of 12 recognized political parties of Bihar, while 1,21,143 claims and objections have been received from voters associated with their assembly constituency. No claim has been submitted by any person from outside the constituency. 3,28,847 new voters, who have attained the age of 18 years or more on July 1 or will attain the age of 18 years or more on October 1, have also submitted their Form 6 and declaration form. Let us tell you that before the assembly elections in Bihar, the Election Commission took steps towards correcting the voter list through SIR. The intensive nomination process was completed from 24 June to 25 July. After this, the Election Commission released the draft voter list on 1 August.

Rahul Gandhi rode a bullet on the eighth day of the Voter Rights Yatra and participated in a bike rally

Purnia: The Mahagathbandhan's Voter Rights Yatra against the Special Intensive Revision (SIR) of the voter list before the assembly elections to be held in Bihar this year started from Katihar turn in Purnia on Sunday. Today is the eighth day of the Yatra. Leading the Yatra, Leader of Opposition in Lok Sabha Rahul Gandhi rode a bullet during the Yatra today. Bihar Congress President Rajesh Ram was sitting behind his Bullet. During this, a large number of Congress workers were riding bikes and accompanying him. During this, a bike rally was taken out in which Rahul Gandhi also participated. There was a lot of enthusiasm on the streets of Purnia in Seemanchal regarding the Voter Rights Yatra. The eighth day of the Yatra started on a bike. This Yatra will start from Khushkibaag and pass through Line Bazar, Panchmukhi Temple, Rambagh and City area and reach Kasba and Araria. On the evening of the seventh day of the yatra, Rahul Gandhi and RJD leader Tejashwi Yadav targeted the BJP and the Election Commission while addressing a public meeting in Kadwa, Katihar. On the seventh day, Rahul Gandhi along with other leaders met Makhana farmers in Katihar. During this, he got into the pond with the farmers and also broke Makhana. He also got to know the problems of the farmers. Congress MP Priyanka Gandhi will also join the third phase of the India Alliance's Voter Rights Yatra against the intensive voter revision in Bihar. She will join this journey on two days, 26 and 27 August. Apart from this, former UP CM and SP President Akhilesh Yadav, Tamil Nadu CM MK Stalin, Karnataka Chief Minister Siddaramaiah will also join in the third phase.

Married woman murdered for dowry, husband set wife on fire in front of son; was demanding 35 lakhs

Noida, In Noida, a man burnt his wife alive in front of his son for dowry. The woman was married 9 years ago. The accused husband was pressuring his wife to bring 35 lakh rupees from the family, but the woman refused. After this, the woman's husband and her mother-in-law beat her with kicks and punches. Not only this, the husband sprinkled petrol on her and set her on fire. When the woman's sister tried to intervene, the accused beat her too. After getting caught in the fire, the people of the neighborhood put a blanket and extinguished the fire and took the victim to the hospital. Seeing the condition of the woman, the doctors referred her to a hospital in Delhi. The woman died on 22 August. On the complaint of the woman's sister, the police registered a case and arrested the husband on 23 August. The incident took place on 21 August in Sirsa village of Greater Noida. The video of this incident has now surfaced which is becoming very viral on social media. Let us tell you that Raj Singh, a resident of Roopbas village of Noida, married his nieces Kanchan and Nikki to Rohit and Vipin of Sirsa village in December 2016. Raj Singh told that he gave more than his means of dowry including a Scorpio car in the marriage. According to Raj Singh, after this the in-laws started demanding 35 lakh rupees. The in-laws used to beat both the nieces. Panchayat was held several times, but the accused remained adamant on the demand of dowry. Now niece Nikki was killed.

Big achievement for India: Weapon test of air defense system - capable of shooting down fighter jets, drones, helicopters

New Delhi, India has achieved a major achievement by successfully testing the Integrated Air Defense Weapon System (IAWS). This test has proved to take India's air defense system and capability to a new era. According to experts, this achievement puts India in the category of select countries that have a modern, indigenous and multi-level air defense system. IAWS is a multi-level air defense system that includes a completely indigenous Quick Reaction Surface to Air Missile (QRSAM), Advanced Very Short Range Air Defense System missiles and a high-power laser-based directed energy weapon. On this important test, Defense Minister Rajnath Singh said, I congratulate DRDO, Indian Armed Forces and industry for the successful development of IAWS. This unique flight test establishes our country's multi-level air defense capability. This will strengthen the security of important places and make the country more empowered against enemy air threats. Giving information on Sunday morning, Defense Minister Rajnath Singh said that the Defense Research and Development Organization (DRDO) has successfully conducted the first flight test of this integrated air defense weapon system off the coast of Odisha at around 12.30 pm on August 23. Congratulating on this achievement, he said that DRDO, Indian Armed Forces and the industry together have given new strength to the country's security capability. It is worth noting that this test based on indigenous technology has been done by DRDO. Actually IAWS is a multi-level air defense system, which has been developed completely with indigenous technology. It includes Quick Reaction Surface to Air Missiles. This missile is capable of targeting enemy fighter planes and missiles at medium range. Apart from this, the Advanced Very Short Range Air Defense System installed in it has the ability to instantly disable low altitude aerial threats like drones, helicopters and fighter jets. That is, with this air defense system of India, enemy fighter planes, any type of drone attack, helicopter attack and any other type of air attack can not only be disabled, but these weapons of the enemy will be shot down in the air itself. Its weapons are equipped with directed energy weapons. This high-power laser-based weapon is capable of changing the direction of modern warfare and can destroy enemy air targets in the blink of an eye. This flight test has established India's multi-layered air defense capability. This system is capable of dealing with any air threat. According to experts, whether it is a fighter jet, drone, helicopter, or cruise missile, this Indian air defense system will be able to stop all at different levels. This has given new strength to the security of the country. The government and the defense establishment have congratulated DRDO, Indian Armed Forces and the industry on this success. This system will now play an important role in protecting the country's important military and industrial establishments from enemy air attacks.

Sensational double murder case solved in Amethi, woman and husband arrested

Amethi, Police have achieved success in the double murder case of August 21 in Amethi district of Uttar Pradesh. A minor dispute in Rudauli village of Musafirkhana police station area took such a terrible turn that the woman and her son were brutally murdered. Now the police have arrested the main accused and his wife in this sensational case. While, two minors have also been taken into custody. The weapons used in the murder have also been recovered and the police are now engaged in the process of sending the accused to jail. In fact, this horrific incident took place in Rudauli village when Rama Devi had gone to work in the field with her son Akash Saroj. At the same time, Rama Devi's brother-in-law Ramraj Saroj, his wife Ramlali and their two minor daughters reached the field and made serious allegations against them. Ramraj said that Rama Devi and Akash put pesticides in his paddy field, which ruined his crop. The matter escalated so much that a minor quarrel took the form of a bloody game. In anger, Ramraj and his family attacked Rama Devi and Akash with sticks and sharp iron dies. Both of them died on the spot. After carrying out the incident, Ramraj fled from the spot with his wife and daughters. Amethi police started action to catch the accused. Four special teams were formed on the instructions of the Superintendent of Police (SP). The accused were arrested on Saturday afternoon. The police officer said, Rama Devi and her son Akash Saroj were murdered in this tragic incident that took place in Rudauli village on August 21. The accused accused them of spoiling the crop and then attacked them with sticks and sharp weapons. Our teams worked hard and arrested the accused Ramraj and his wife Ramlali.

Fijian Prime Minister Rabuka, who calls PM Modi the 'boss' of the world, is on his first visit to India. He was welcomed in Delhi

New Delhi, Fijian Prime Minister Sitiveni Ligamamada Rabuka, who calls Prime Minister Narendra Modi the 'boss' of the world, has come to India on a three-day visit. This is his first official visit to India. He arrived in Delhi on Sunday, where he was welcomed by Union Minister Sukanta Majumdar. The Fijian Prime Minister is accompanied by his wife Sulueti Rabuka. The delegation includes Health Minister Ratu Antonio Lalabalavu and senior officials. Sharing information about the arrival of Prime Minister Rabuka on the social media platform 'X', Indian Foreign Ministry spokesperson Randhir Jaiswal wrote, "Hearty welcome to Fijian Prime Minister Sitiveni Rabuka on his first visit to New Delhi." Prime Minister Rabuka was welcomed by Union Minister Sukanta Majumdar at the airport. This visit will further deepen the partnership in diverse areas. During his visit to India, the Prime Minister of Fiji will hold talks with PM Narendra Modi on Monday. Lunch will be organized by Prime Minister Modi for the Prime Minister of Fiji. After this, Prime Minister Sitiveni Rabuka will meet Indian President Draupadi Murmu. Let us tell you that President Murmu visited Fiji in August 2024. The Indian Ministry of External Affairs believes that this visit of Prime Minister Rabuka underlines the long-standing strong and lasting relations between India and Fiji. This visit reaffirms the commitment of both the countries to strengthen bilateral relations in all areas and further deepen the ties between our people. The visit comes at a time when India and Fiji held the sixth round of Foreign Office Consultations (FOC) in Suva, Fiji in July 2025. During this, the two countries reviewed and discussed cooperation in key areas such as health, education, capacity building, trade and investment, agriculture, renewable energy, climate change and cultural exchange. The Indian delegation was led by Secretary (South) of the Ministry of External Affairs Nina Malhotra, while Fiji was represented by Permanent Secretary of Foreign Affairs Raije ?li Taga.

Tariff impact: Indian postal service to America suspended from August 25

New Delhi, August 24 (RNS). Nowadays relations between India and America are not going well, that is why some strict decisions are being taken by both the countries. As per the new development, the Indian Postal Department is going to suspend the booking of most postal items to America from August 25. At present this decision will be implemented temporarily. On August 23, the Postal Department issued a press note and gave this information. This move comes after an order issued by the US government on July 30, 2025, under which tariff exemption on imported goods up to US $ 800 has been withdrawn. However, gift items worth up to $100 (about Rs 8,700) will continue to be exempt from duty. Earlier, items worth up to $800 or about Rs 70,000 were duty free. A press release issued by the Postal Department said that from August 29, 'all international postal items going to the US, regardless of their value, will be subject to customs duty as per the country-specific International Emergency Economic Powers Act (IEMEA) tariff framework.' However, it also said that the exemption on gifts up to US $100 will continue.

Not only Putin.. Zelensky will also visit India, India's amazing diplomacy amid Trump's tariff war

New Delhi, India's strategic diplomacy has once again become a topic of discussion on the global stage. On the one hand, India is strengthening its traditional friendship with Russia, and on the other hand, it is rapidly moving towards balanced and cooperative relations with Ukraine. Due to this, the possibility of the heads of state of both Russia and Ukraine visiting India this year has further increased America's uneasiness. US President Donald Trump has expressed displeasure over India buying oil from Russia and announced an additional 25% tariff. This move is being seen as a response to the deepening relations between India and Russia. According to reports, the US has now imposed a total tariff of 50% on India. Russian President Vladimir Putin may visit India later this year. National Security Advisor Ajit Doval has recently confirmed this. This visit is taking place at a time when cooperation between India and Russia in the field of energy, defense and trade is continuously deepening. At the same time, Ukrainian President Volodymyr Zelensky may also visit India. Ukrainian Ambassador to India Oleksandr Polishchuk said that Prime Minister Narendra Modi has invited Zelensky to visit India, and at present both sides are working on finalising the date. The ambassador has described the visit as a 'new height' in bilateral relations. On the eve of Ukraine's Independence Day (24 August), the historic Qutub Minar in Delhi was lit up in the light of Ukraine's national flag. This has emerged as a symbol of the progress of India-Ukraine relations. India has always maintained a diplomatic balance regarding the war between Russia and Ukraine. While India has been cooperating with Russia in the defence and energy sectors, humanitarian aid and political support has also been provided to Ukraine.

Now court summons and warrants will be available on WhatsApp-email, government implemented new rule

New Delhi, The Delhi government has made a big change regarding the service of summons and arrest warrants. Now court summons and warrants can be sent to people on mobile through WhatsApp and email. For this, the government has notified the Delhi BNSS (Serve Summons and Warrants) Rules, 2025. According to the information, this decision of the government will make the delivery of summons possible within minutes and will save time and paperwork. Lieutenant Governor Vinay Kumar Saxena has already approved this notification. Under the new system, summons and warrants issued by the courts will have the digital seal and signature of the judge. The police will send this notice to the concerned person on email or WhatsApp. If online service is not possible due to technical reasons, the court will be able to direct to give a hard copy. For this, electronic summons distribution centers will also be set up in police stations.